जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 208 प्रभात चूरू, मंगलवार, 25 नवम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मुख्य चुनाव आयुक्त ने एक साल के लिए बाहरी व्यक्तियों को नियुक्त किया बंगाल में चुनाव ड्यूटी पर

ममता बनर्जी इस आदेश से अत्यंत विचलित हुईं, क्योंकि वे किसी भी तरह से एसआईआर की प्रक्रिया पूरी नहीं होने देना चाहती हैं प. बंगाल में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस फैसले से झटका लगा है कि चुनावी कामकाज के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए बाहरी डेटा एंट्री ऑपरेटर और डेटा स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी।

वे बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में, वोटिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए इलैक्शन बूथ बनाने के सी.ई.सी. के फैसले का भी विरोध कर रही हैं।

अगर ये कदम लागू होते हैं, तो ममता बनर्जी की बड़े पैमाने पर होने वाली चुनावी धांधली और डेटा में हेरफेर पर सीधा प्रहार होगा। यही वह मुख्य तरीका है, जिसके आधार पर ममता बनर्जी चुनाव प्रक्रिया पर पकड़ बनाए रखकर सत्ता में बनी हुई हैं।

- उन्होंने ब्लॉक लेवल अफसरों को भी उकसाया, सर की प्रक्रिया पूरी होने से रोकने के लिए। इन लोगों ने झंडा प्रदर्शन किए और प्रचारित किया कि ब्लॉक लेवल के अफसर काम के दबाव के कारण आत्महत्या कर रहे हैं।
- बांग्लादेश से गैर कानूनी तरीके से भारत में आए लोग विशेष रूप से सर प्रक्रिया से भयभीत हैं, क्योंकि वे फर्ज़ी कागज़ों के सहारे भारत में चल रही सभी स्कीमों का भरभूर लाभ ले रहे थे।
- यह एक अपराध है। अतः बहुत सारे बांग्लादेशी अपने घरों पर ताला लगाकर बांग्लादेश जा चुके हैं और यह प्रक्रिया जारी है।
- चुनाव आयुक्त ने यह भी व्यवस्था बैठाई है कि बड़े-बड़े हाउसिंग कॉम्पलैक्सों में मतदान केन्द्र स्थापित किए जाएंगे, जिनसे गैर कानूनी तरीके से आए बांग्लादेशियों की उपस्थिति साफ नज़र आएगी।

ममता बनर्जी ने अपने मुस्लिम समर्थकों को आश्वासन दिया था कि पश्चिम बंगाल में न तो कोई एसआईआर होगा और न ही मतदाता सूची में कोई संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कई वर्गों से वादा किया था कि वे एस.आई.आर. सहित, ऐसे किसी भी कदम का कड़ा विरोध करेंगी।

लेकिन अब उनके पास एस.आई.आर. को लागू होते देखने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। इससे मुस्लिम वोट बैंक के कई हिस्से, खासकर वे लोग, जो सीमा पार से घुसपैठ कर आए थे, बेहद नाराज़ हैं।

यह मुद्दा उठते ही ममता बनर्जी ने इसे लागू करने का विरोध करने के लिए चारों तरफ से हमला बोल दिया है। उन्होंने नए प्रस्तावों का विरोध करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र भी लिखा है।

ममता बनर्जी ने अपने हमले का दायरा और बढ़ा दिया है। उन्होंने ब्लॉक लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ), जो मतदाता सूची में ज़मीनी स्तर पर सुधार करते हैं, को भी भड़काया है कि वे अपने ऊपर काम के बढ़ते दबाव का विरोध करें। वे कह रही हैं कि बीएलओ अत्यधिक काम के दबाव में आत्महत्या कर रहे हैं।

इसके अलावा, एसआईआर लागू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती पर अभ्यर्थियों व आरपीएससी से हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 24 नवम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए, एकलपीठ में याचिकाकर्ता रहे अभ्यर्थियों और आरपीएससी से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही, अदालत ने आयोग के पूर्व अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय और सदस्य मंजू शर्मा की ओर से दायर अपील पर भी पक्षकारों को जवाब देने को कहा है। वहीं, खंडपीठ ने मामले में 5 जनवरी को सुनवाई तय की है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस मनीष

- राज्य सरकार की भर्ती रद्द नहीं करने की अपील पर सुनवाई 5 जनवरी को।

शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश मामले में दायर अपील याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि अपील में कहा गया कि पूरी भर्ती रद्द होने से इसका असर निर्दोष अभ्यर्थियों के जीवन पर पड़ रहा है। इसके अलावा, यदि जांच एजेंसियां भर्ती में सही और गलत की छंटनी कर सकती है तो कानूनन पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय और सदस्य मंजू शर्मा ने एकलपीठ की ओर से भर्ती रद्द करने के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को अपील में चुनौती दी है।

अभी तक नीतीश सरकार के मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक नहीं आयोजित हो पाई है

दोनों घटकों के बीच अविश्वास और मतभेद उभरे हैं, स्पीकर के पद को ले कर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवंबर। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार एक बार फिर नई उथल-पुथल का सामना कर रही है, क्योंकि राज्य विधानसभा के नए स्पीकर के चुनाव को लेकर जेडीयू और भाजपा के बीच मतभेद काफी बढ़ गए हैं। इस विवाद के कारण सरकार के महत्वपूर्ण कामकाज रूक गये हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर अविश्वास और गहरा हो गया है।

गौरतलब बात यह है कि सरकार की पहली पूर्ण कैबिनेट बैठक भी अब तक नहीं हो पाई है, क्योंकि दोनों दलों के बीच नए स्पीकर के मुद्दे पर तीखी असहमति बनी हुई है।

बताया जाता है कि जेडीयू नेतृत्व नाराज़ है, क्योंकि भाजपा ने गृह विभाग जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय अपने पास रख लिया है, जिसे नीतीश कुमार आमतौर पर खुद संभालते रहे हैं या बहुत करीब से देखते रहे हैं। अन्दरूनी सूत्रों के अनुसार, यह फैसला केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्तर पर लिया गया था। माना जाता है कि उन्होंने नीतीश कुमार की कथित हैल्थ प्रॉब्लम और राज्य की बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए इस विभाग के लिए

- भाजपा हाईकमान ने नीतीश के स्वास्थ्य के मुद्दे व राज्य में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति का बहाना ले कर नीतीश से गृह विभाग ले लिया था।
- जदयू के नेताओं का मानना है कि शुरु से ही गृह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश के पास ही रहता था और अब यह व्यवस्था बदलने का मतलब जदयू को कमज़ोर करना है।
- नीतीश कुमार ने अब जिद पकड़ी है कि विधानसभा अध्यक्ष का पद जदयू को मिलना चाहिए, जिससे जदयू के विधायकों को पार्टी बदलने से रोका जा सके, अन्यथा विधानसभा में असहजता बनी रहेगी।
- भाजपा नीतीश के तर्क को स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं है, क्योंकि उनके अनुसार दो दशकों से स्पीकर का पद भाजपा के पास रहा है। अतः अब इस पद को जदयू को सौंपना असंभव है।
- प्रशांत किशोर व महागठबंधन भी इस विवाद में अपनी रोटी सेंकते नज़र आ रहे हैं, उनका कहना है कि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व तीन अन्य मंत्री फर्ज़ी दस्तावेज व जन्म प्रमाण पत्र दिखाकर मंत्री बने हैं और उन पर आय से ज्यादा संपत्ति होने का आरोप है, अतः गैर भाजपाई को स्पीकर बनाना चाहिए।

जोर दिया था।

भाजपा नेताओं का कहना है कि हाल के दिनों में राज्य में हिंसक अपराधों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपने नब्बेवें जन्मदिन के दो सप्ताह पहले धर्मेन्द्र ने दुनिया से विदाई ली

लुधियाना के नसराली गाँव के ग्रामीण लड़के ने सदा स्वीकार किया कि उन्होंने दिलीप कुमार के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर फिल्मों में आने की ठानी थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवंबर। बॉलीवुड अभिनेता धर्मेन्द्र का मुंबई में निधन हो गया। दो सप्ताह बाद, उनका 90वाँ जन्मदिन मनाया जाना था। दो हफ्ते पहले भी मुंबई के एक अस्पताल में उनके निधन की झूठी खबर टीवी चैनलों पर चली थी, लेकिन वह फेक न्यूज साबित हुई।

धर्मेन्द्र से पहले भारतीय सिनेमा के "स्क्रीन गॉड्स" ट्रैजिक हीरो होते थे।

- दूसरी ओर यह भी अजीबोगरीब संयोग था कि धर्मेन्द्र के आगमन से पहले भारतीय सिनेमा में ट्रैजिक हीरो ही छाये हुए थे, जिसका प्रतीक एक तरह से दिलीप कुमार थे।
- किन्तु धर्मेन्द्र ने नया युग शुरु किया था, जिसमें हीरों की कामुकता उसका सौष्ठव शरीर ही उसका सबसे बड़ा आकर्षण था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'धारीवाल को हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश के किस भाग पर आपत्ति है'

जयपुर, 24 नवंबर। प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के खिलाफ पूर्व मंत्री शांति धारीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एसएलपी पर सुनवाई करते हुए धारीवाल के वकील कपिल सिब्बल से एक सप्ताह में यह बताने को

- सुप्रीम कोर्ट ने धारीवाल के वकील से एक सप्ताह में जवाब मांगा।

कहा है कि उन्हें हाईकोर्ट के फैसले के किस भाग पर आपत्ति है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई आगे के लिये टाल दी है।

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैनडा के प्र.मंत्री कार्नी मोदी के निमंत्रण पर 2026 में दिल्ली आएंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवंबर। कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

दोनों नेताओं ने जून में कनानास्किस में हुए जी7 सम्मेलन के दौरान हुई पिछली मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों में आई सकारात्मक प्रगति का स्वागत किया। साथ ही, उन्होंने अक्टूबर में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा घोषित नए द्विपक्षीय रोडमैप की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए, 2026 की शुरुआत में भारत आने पर सहमति जताई।

- दोनों प्रधानमंत्रियों ने नवंबर 2025 को हुए कॉन्प्रीहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमैंट (सीपा) की प्रगति पर संतोष जताया और आशा की कि 2030 तक 70 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगा दोनों देशों के मध्य।
- प्रधानमंत्रियों ने कानून व्यवस्था के संबंध में दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान को भी आशाजनक बताया।
- जैसा कि विदित ही है, अगस्त 2025 में काफी समय बाद, दोनों देशों ने हाई कमिश्नर नियुक्त किये थे, दोनों देशों की राजधानी में और तब से कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य सी होती जा रही है।

13 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में हुई व्यापार और निवेश पर 7वीं मंत्री-स्तरीय वार्ता के आधार पर दोनों नेताओं ने एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते, कॉन्प्रीहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमैंट (सीईपीए) के लिए विधिवत् वार्ता शुरु करने पर सहमति जताई। इस समझौते में वस्तुएं, सेवाएं, निवेश, कृषि और कृषि-खाद्य, डिजिटल व्यापार, गतिशीलता और सतत विकास जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि सीईपीए एक मजबूत आर्थिक आधार बनेगा और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुने से ज्यादा बढ़ाकर, 70 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने में मदद करेगा।

अगस्त 2025 में उच्चायुक्तों की वापसी के बाद, दोनों प्रधानमंत्रियों ने, बढ़ती कॉन्सुलर जरूरतों को पूरा करने और ज्ञान के परस्पर आदान-प्रदान सहित, लोगों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए, राजनयिक स्टाफ बढ़ाने पर भी सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून प्रवर्तन संवाद में हुई प्रगति का भी स्वागत किया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने नियमित उच्च-स्तरीय पारस्परिक यात्राओं, जिसमें मंत्रियों और कारोबारी समुदाय के प्रतिनिधियों की यात्राएँ भी शामिल हैं, की आवश्यकता एवं महत्व पर भी जोर दिया।

समाप्त नहीं हो रहा कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का मसला

नयी दिल्ली, 24 नवंबर। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की मांग को लेकर खींचतान जारी है और छह से ज्यादा कांग्रेस विधायक रविवार देर शाम दिल्ली पहुंचे । पिछले एक सप्ताह से कांग्रेस विधायकों का दिल्ली आना जारी है।

सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक कांग्रेस में राजनीति इन दिनों काफी तेज हो चुकी

- कर्नाटक के विधायकों का दिल्ली आना लगातार बना हुआ है।

है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक मुख्यमंत्री बदलने की मांग को लेकर दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान का दरवाजा खटखटा रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में तीसरी बार ऐसा हुआ है, जब शिवकुमार गुट के विधायक दिल्ली आये हैं।

दिल्ली में जुटे सभी विधायक मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के खिलाफ असंतोष जता रहे हैं। विधायकों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरबपति लक्ष्मी मित्तल ने इंगलैंड की नागरिकता छोड़ कर स्विट्ज़रलैण्ड को अपना घर बनाया

इस परिवर्तन का मुख्य कारण है, इंगलैंड की नई लेबर सरकार ने देश की टैक्स व्यवस्था में नॉन डोमिसाइल इन्वेस्टर को मिल रही रैमिटैंस का आधार बदल दिया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। स्टील उद्योग के दिग्गज लक्ष्मी मित्तल ने यूनाइटेड किंगडम में अपनी तीन दशक लंबी निवास अवधि (रैजिडैंसी) को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया है। नई लेबर सरकार की वजह से फिस्कल माहौल में आई बड़ी गड़बड़ी के जवाब में उन्होंने अपना टैक्स बेस यूके से बाहर शिफ्ट कर दिया है। उनका यह कदम अकेला नहीं है, बल्कि हाई नैट वर्थ वाले लोगों को टारगैट करने वाले बड़े सुधारों का एक सीधा रिएक्शन है, विशेष रूप से इनहेरिटेंस टैक्स (उत्तराधिकार कर) में बदलाव और उन विशेष टैक्स व्यवस्थाओं को खत्म करना, जो कभी ब्रिटेन को वैश्विक संपन्न लोगों के लिए आकर्षक बनाती थीं।

भारतीय मूल के मित्तल, जो आर्सेलर मित्तल के संस्थापक हैं और 2025 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में 15.444 बिलियन की अनुमानित संपत्ति के साथ आठवें स्थान पर रहे, 1995 से लंदन में अपने वैश्विक साम्राज्य का संचालन कर रहे थे। वे शहर के एलीट लोगों में शामिल थे। कैंसिंग्टन पैलेस गार्डन्स में "ताज मित्तल" नाम के शानदार मेंशन की खरीद से लेकर बड़े स्तर के सामाजिक कार्यों तक, उनकी मौजूदगी लंदन की हाई-प्रोफ़ाइल दुनिया का हिस्सा बन चुकी थी। इसलिए, उनका जाना सिर्फ व्यक्तिगत टैक्स निर्णय नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे यूके की विदेशी निवेशकों के बीच घटती स्थिरता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

मित्तल और अन्य अमीर विदेशी

- रैमिटैंस व्यवस्था में हाई नैटवर्थ व्यक्तियों की ऑफ शोर इनकम पर टैक्स नहीं लगता था जब तक यह इनकम ब्रिटेन में ना लाई जाए।
- यह एक सुविधा अंतर्राष्ट्रीय उद्योगपतियों को लंदन में ऑफिस खोलने के लिए प्रोत्साहित करती थी। अब रेजिडेंस बेस्ड इनहैरिटेंस टैक्स व्यवस्था लागू होने से जिन व्यक्तियों की रिहाइश बीस में से दस साल इंगलैंड रही है तो उनकी अंतर्राष्ट्रीय संपत्ति पर दस प्रतिशत टैक्स लाज़मी हो गया है।

निवासियों के लिए सबसे बड़ा झटका लेबर सरकार द्वारा सदियों पुराने "नॉन-डॉमिसाइल" (गैर-निवासी) टैक्स नियम को खत्म करना और अप्रैल 2025 से उसकी जगह, कहीं अधिक सख्त व्यवस्था लागू करना था। यह बदलाव डॉमिसाइल-आधारित प्रणाली से हटकर एक सख्त रेजिडेंस-आधारित टैक्स ढांचे की ओर एक बड़ा परिवर्तन है। पुराने नियम के तहत नॉन-डॉमिसाइल निवेशक "रैमिटैंस बेसिस" का लाभ उठाते थे, जिसके तहत विदेश में कमाई गई आय और लाभ पर यूके टैक्स नहीं लगता था, जब तक कि वह पैसा ब्रिटेन नहीं लाया जाता था। यही व्यवस्था लंदन में फैमिली ऑफिस स्थापित करने वाले वैश्विक उद्यिमयों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण थी।

विदेशी निवेशकों के लिए इस व्यवस्था को खत्म करना और नए नियम लागू करना इस सवाल को ही बदल देता है कि क्या ब्रिटेन में रहना फायदेमंद है। रैमिटैंस-बेस्ड टैक्सेशन का वह खास इंसैंटिव अब खत्म हो गया है, जो कभी यू.के. को यूरोप के अन्य उच्च-कर व्यवस्था (हाई-टैक्स कॉन्टिनैंटल सिस्टम) वाले देशों से अलग बनाता था। इससे भी बड़ा झटका इनहेरिटेंस टैक्स को रेजिडेंस-आधारित बनाना है। मित्तल के सलाहकारों के अनुसार, यही सबसे गंभीर मुद्दा था। नए नियम के तहत, जो भी व्यक्ति पिछले 20 टैक्स वर्षों में से 10 साल यूके में रहा है, उसकी दुनियाभर की संपत्ति पर 40 प्रतिशत इनहेरिटेंस टैक्स लगेगा। बड़े इन्टरजैनरेशनल एस्टेट, क्रॉस बॉर्डर ट्रस्ट और मल्टीनैशनल होल्डिंग्स वाले इन्वैस्टर्स के लिए यह बदलाव देश में लंबी अवधि के निवास को वित्तीय खतरा बना देता है।

इनकम टैक्स और कैपिटल गेन्स की नई संरचना भी दबाव बढ़ाती है, क्योंकि विदेशी आय और लाभ पर चार साल की छूट (एफ.आई.जी. व्यवस्था) सिर्फ नए आने वालों के लिए है। मित्तल जैसे लंबे समय से रहने वाले लोगों को ग्लोबल इन्वैस्टैंट इन्कम पर टैक्सेशन में तुरंत भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी आज रामजन्म भूमि मंदिर जायेंगे

नई दिल्ली 24 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर जाएंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि देश

- दोपहर 12 बजे करीब वे रामजन्म भूमि मंदिर के शिखर पर भगवा झंडा फहरायेंगे।

के सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माहौल में यह एक विशिष्ट अवसर होगा।

मोदी सुबह सप्तमंदिर जाएंगे, जहां महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे।

इसके बाद, प्रधानमंत्री माता अन्नपूर्णा मंदिर जाएंगे और राम दरबार गर्भ गृह में दर्शन तथा पूजा करेंगे। बाद में वह राम लला गर्भ गृह में दर्शन करेंगे।

दोपहर करीब बारह बजे प्रधानमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आदमी की दुर्भावना उसके दुश्मन के बजाय उसे ही अधिक दुःख देती है।
–चार्ल बक्सटन

कार्योत्तर स्वीकृति की संस्कृति उपयुक्त नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक निर्णय दिया है, जिसके द्वारा उसने अपने ही निर्णय को बदल दिया। 2017 से पूर्व पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से यह प्रावधान था कि बडे और विशेष प्रकार के उद्योग स्थापित करने से पूर्व पर्यावरण संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाय। इस हेतु विशेषज्ञों की समिति, स्थापित होने वाले उद्योग के पर्यावरण पर पडने वाले प्रभाव का आकलन करके अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने या न करने की अनुशंसा करती थी। पर्यावरण संबंधी कानून के अंतर्गत इसका प्रावधान था। इसका उद्देश्य पर्यावरण की सुरक्षा करना था। यह देखा जाता था कि उद्योग के कारण पर्यावरण पर कितना प्रभाव पडेगा और क्या वह अत्यावश्यक है?

भारत सरकार ने औद्योगिकरण को गति प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 2017 में यह आदेश जारी किया कि पर्यावरणीय पूर्व स्वीकृति के अभाव में उद्योग लगाने का काम रोका नहीं जाएगा और यह उद्योग स्थापित होने के बाद में भी लिया जा सकेगा। ऐसी शिथिलता प्रदान करने का दबाव कई बडे औद्योगिक घरानों द्वारा बनाया जा रहा था ताकि वे तेजी से अपनी परियोजना पर काम कर सकें। इसका अर्थ यह हुआ कि किसी भी प्रकार की परियोजना पर काम करने से पूर्व पर्यावरण संबंधी अनापत्ति पत्र प्राप्त करना आवश्यक नहीं रहा । इस छूट के कारण पानी का प्रदूषण, जंगलों की कटाई तथा वायु प्रदूषण बडी मात्रा में होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। इसके कारण गरीब आदिवासी लोगों को अपने विस्थापन का दंश झेलना पडा था।

पर्यावरण विदों द्वारा इसके विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की गईं। सर्वोच्च न्यायालय की खंड पीठ ने सरकार के 2017 के आदेश पर 2022 में रोक लगा दी। न्यायालय ने यह कहा कि पर्यावरण के प्रकरणों में इस प्रकार से कार्योत्तर स्वीकृति का कोई अर्थ नहीं रहेगा एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की आशंका बनेगी। इस निर्णय के विरुद्ध कुछ उद्योगपति न्यायालय में गए। हाल ही में दिया गया निर्णय उसी की परिणति है। यह निर्णय तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ द्वारा 2 – 1 के बहुमत से पारित किया गया। न्यायाधीश उज्ज्वल भुइयां ने इस बहुमत के निर्णय के विरुद्ध अपना मत दिया और स्पष्ट कहा कि पर्यावरण संबंधी अनुमोदन के बिना किसी परियोजना का कार्य प्रारंभ होना, पर्यावरण के लिए खतरा उत्पन्न करेगा। यह उल्लेखनीय है कि काम शुरू होने पर पर्यावरण की स्वीकृति लेने का दबाव समाप्त हो जाता है। कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान करने के लिए जब प्रार्थना पत्र पर विचार होता है, तब यह बिंदु प्रमुख हो जाता है कि स्वीकृति नहीं दी गई तो किया गया करोडों रुपए का व्यय व्यर्थ हो जाएगा। हमने यह पहले भी देखा है कि कई बार सर्वोच्च न्यायालय ने किसी बात को गलत माना, किंतु केवल इस आधार पर उसे छूट दे दी कि अब समय बहुत निकल चुका है और किसी भी किए गए कार्य को उलट देना संभव नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने एक बार पुन: औद्योगिक घरानों को अन्य पर्यावरणीय घटकों के साथ खिलवाड करने का अवसर प्रदान कर दिया है क्योंकि अब उन्हें पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं रही है।

कार्यपालिका तो पहले ही कानून की पालना करने में लगभग असमर्थ ही रही है ।लगभग सभी प्रकार के प्रकरणों में जब कोई कानून के विरुद्ध काम हो जाता है, तो कार्यपालिका समय-समय पर उसे नियमित करने में लगी रहती है। ये कार्य चुनावों से पूर्व शिविर लगा कर किए जाते हैं।

सरकारी भूमि पर जितने भी अतिक्रमण हुए, चाहे वे चारागाह भूमि पर हों, नदी/ नाले पर हों या वन भूमि पर हों,उन सब अतिक्रमणों के पीछे केवल एक ही कारण है। जब अतिक्रमण प्रारंभ हुए तो उन्हें सरकार ने होने दिया और बाद में इस आधार पर नियमित कर दिया कि अब तो बहुत समय हो गया है, इन्हें हटाना संभव नहीं है ।

जब मैं राजस्थान विश्वविद्यालय में कुल सचिव के पद पर कार्यरत था तो कुछ छात्रों ने फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर मेडिकल कॉलेज में आरक्षित सीटों पर प्रवेश लिया था। इसके विरुद्ध अपील होने पर,उच्च न्यायालय ने निर्णय पारित किया कि छात्रों का मेडिकल कॉलेज में प्रवेश फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आधार पर हुआ तो है, किंतु फिर भी उनका मेडिकल कॉलेज में प्रवेश निरस्त नहीं किया जाए। ऐसा निर्णय इसलिए दिया कि वे तीन-चार वर्ष तक पढाई तो कर ही चुके हैं । यह किस प्रकार का तर्क है कि पहले तो समय पर कोई कार्रवाई न्यायपालिका अथवा कार्यपालिका न करे और बाद में उसे नियमित करने की बात करे?

इस प्रकार की प्रवृत्ति नगर निगम ,जयपुर विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग, कलेक्ट्रेट, खनिज विभाग, उद्योग विभाग आदि में पाई जाती है। पहले तो कानून विरुद्ध कार्यवाही को होने दें और एक बार जब ऐसा हो जाए तो बाद में यह कहेंगे कि अतिक्रमण को नियमित कर दिया जाय क्योंकि समय अधिक हो गया है, इसलिए इसे हटाना जनहित में नहीं होगा।

बहु मंजिला भवन के लिए आवश्यक ऑक्यूपेंसी प्रमाणपत्र के बिना ही उसमें खरीददार रहना प्रारंभ कर देते हैं। सिनेमा और अस्पताल बिना फायर एन ओ सी के काम करना प्रारंभ कर देते हैं। इसी कारण आग लग जाती है। हाल में जयपुर के एस एम एस हॉस्पिटल में आग लगने से कई मरीजों की मौत हो गई थी।

हमारे देश में कानून तो शायद दुनिया में सबसे अधिक हैं, किंतु साथ ही यह भी सत्य है कि इनकी पालना लगभग नगण्य है । जो व्यक्ति समर्थ है, वह कानून को धत्ता बताते हुए सारे गैर कानूनी कार्य कर लेता है और फिर अपने प्रभाव से उन सबको नियमित भी करा लेता है। जो व्यक्ति कानून के अनुसार पूर्व अनुमति लेकर कोई कार्य करना चाहता है तो वह अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा करता रह जाता है और दुनिया की नजरों में 'मूर्ख' ही सिद्ध होता है, जबकि कानून तोड़ने वाला होशियार कहलाता है। ऐसे व्यक्तियों को प्रशासन भी प्रत्यक्ष/ अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करता है।

स्पष्ट है, कार्योत्तर स्वीकृति की प्रवृत्ति, कानून की अवहेलना को ही बढावा देगी। वैसे ही, देश में सामान्य धारणा यह बनती जा रही है कि यहां पर कानून का राज नहीं है और जो व्यक्ति कानून तोडकर अवैधानिक कार्य कर ले, उसे सरकार कुछ समय के बाद स्वयं ही नियमित कर देगी। जब कोई भवन निर्माण की अनुमति चाहे तो यह अनिश्चितकाल तक नहीं दी जाएगी किंतु यदि कोई बिना किसी प्रकार का सेटबैक छोडे या भवन निर्माण के कानून का उल्लंघन करते हुए कुछ भी निर्माण कर ले, उसे बाद में नियमित कर दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में जो व्यक्ति कानून के अनुसार काम करना चाहता है वह अपने आप को ठगा सा महसूस करता है।

जिस समय कृषि भूमि पर या सरकारी भूमि पर गैर कानूनी बस्तियां बस रही होती हैं, उस समय तो जयपुर विकास प्राधिकरण या नगर निगम के लोग कोई कार्रवाई नहीं करते हैं । जब बडे स्तर पर लोग उसमें प्लॉट खरीद लेते हैं या मकान बना लेते हैं तो फिर यह बहाना बनाया जाता है कि इनको हटाया नहीं जा सकता। मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की आड में गैरकानूनी काम को नियमित करने की प्रवृत्ति बढती है। सुप्रीम कोर्ट के हाल के फैसले ने इसी प्रकार की प्रवृत्ति को और बढावा देने का ही काम किया है।

कृषि भूमि पर व्यावसायिक गतिविधि करने या उद्योग स्थापित करने से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होता है । यदि कार्योत्तर स्वीकृति का ही प्रावधान रखा गया तो फिर सभी लोग अनियोजित रूप से बस्तियां बसा लेंगे एवं व्यावसायिक गतिविधियां प्रारंभ कर देंगे। इसके कारण सामान्य नगरीय व्यवस्था भी अस्त व्यस्त हो जाएगी। देखा यहभी गया है कि इन्हें नियमित करने के लिए सरकार शिविर तक आयोजित करती है और एक प्रकार से गैर कानूनी काम पर सरकारी ठप्पा लगाने का ही काम करती है।

इसी प्रकार, उद्योग की भी यही स्थिति है। यदि पर्यावरण की स्वीकृति लेना जनहित में आवश्यक मान कर कानून बनाया गया था तो फिर उद्योग लगाने से पहले इस प्रकार की आवश्यकता की पूर्ति की जानी चाहिए। पर्यावरण को प्रदूषित करने में कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों ही बराबर के दोषी हैं।

वन कटाई का मामला हो, वन क्षेत्र में खनन का मामला हो या नदी के पेटे से बजरी निकालने का मामला हो, केवल नाम मात्र का जुर्माना लगा कर सरकारें अपने कत्तर्व्य की इतिश्री कर लेती हैं। इन सबको केवल इस आधार पर नियमित कर दिया जाता है कि समय अधिक हो गया है ।

संभागीय आयुक्त के पद पर कार्य करते समय एक प्रकरण ऐसा आया था जिसमें नाले के बीच में अवैध अतिक्रमण करके बहु मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था । निर्माण प्रारंभ होते ही इसे जयपुर विकास प्राधिकरण के ध्यान में लाया गया था किंतु उस पर समय रहते कोई कार्रवाई न करने के कारण इस भवन का ढांचा खडा गया। इसे अंतत: न्यायालय के आदेशानुसार विस्फोटकों का उपयोग करके ध्वस्त करना पडा था। यदि समय पर नियमों की पालना करके रोक दिया जाता, तो इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती ।

यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि दिवाली के समय जिन दुकानों पर पटाखे बेचे जाते हैं उनमें अधिकांश द्वारा कोई लाइसेंस नहीं लिया जाता है । कानून के अनुसार बिना लाइसेंस के कोई भी पटाखों का विक्रय नहीं कर सकता है।जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, यह चलता रहता है। जब कोई हादसा हो जाता है तो फिर इसकी जांच होती है कि बिना लाइसेंस की दुकान कैसे चल रही थीं? शायद प्रशासन यह मानकर चल रहा था कि एक बार दुकान शुरू हो जाए तो बाद में हम उनका लाइसेंस दे देंगे । स्पष्ट है, चलती दुकान का लाइसेंस लेने के लिए वह "सुविधा शुल्क" देने को बाध्य हो जाता है।

वाहनों के फिटनेस का भी यही हाल है। पहले तो अनफिट वाहनों को सडकों पर चलने से नहीं रोका जाएगा और जब बहुत समय तक चलते रहेंगे तो बाद में फिटनेस बनाया जाएगा। बिना फिटनेस के वाहन चल ही कैसे सकता है, इसका कोई उत्तर विभाग द्वारा नहीं दिया जाता। ऐसा करने से कानून बनाने का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। अधिकांश ऐसे वाहन प्रभावशाली जन प्रतिनिधियों अथवा अधिकारियों के ही होते हैं।

हमारे देश में कानून तो शायद दुनिया में सबसे अधिक हैं, किंतु साथ ही यह भी सत्य है कि इनकी पालना लगभग नगण्य है । जो व्यक्ति समर्थ है, वह कानून को धत्ता बताते हुए सारे गैर कानूनी कार्य कर लेता है और फिर अपने प्रभाव से उन सबको नियमित भी करा लेता है।

जो व्यक्ति कानून के अनुसार पूर्व अनुमति लेकर कोई कार्य करना चाहता है तो वह अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा करता रह जाता है और दुनिया की नजरों में 'मूर्ख' ही सिद्ध होता है, जबकि कानून तोडने वाला होशियार कहलाता है। ऐसे व्यक्तियों को प्रशासन भी प्रत्यक्ष/ अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करता है।

अंत में निष्कर्ष रूप में हम यही कह सकते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय का कार्योत्तर स्वीकृति का निर्णय एक प्रतिगामी कदम है और विशेष रूप से पर्यावरण एवं जनहित की दृष्टि से उपयुक्त नहीं कहा जा सकता। आशा है, शीघ्र ही इसकी समीक्षा होगी और इस निर्णय में आवश्यक संशोधन किया जाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

मत्स्य उत्सव : मेहंदी, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने दिखाया हुनर

बाबा भर्तृहरि पैनोरमा पर ही बाबा भर्तृहरि की जीवनी पर नाटिका का भव्य मंचन हुआ

अलवर, (निसं)। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय मत्स्य उत्सव के दूसरे दिन राजा भर्तृहरि पैनोरमा परिसर में मेंहदी, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिता एवं श्री भर्तृहरि नाटक का आयोजन हुआ।

मत्स्य उत्सव के अवसर पर भर्तृहरि पैनोरमा परिसर में राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की मेहन्दी,रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट अलवर के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश ने बताया कि कक्षा 6 से 8 तक, कक्षा 9 से 12 तक एवं कॉलेज स्तर पर मेहन्दी प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों की मेहन्दी प्रतियोगिता में योगिता शर्मा प्रथम, अनुष्का द्वितीय व सुहानी सोनी तृतीय स्थान पर रही, कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों की मेहन्दी प्रतियोगिता में चंचल शाह प्रथम, विधि सांकला द्वितीय व एंजल विजय तृतीय स्थान पर रही तथा कॉलेज स्तर पर पिंकी जाटव प्रथम, मुस्कान द्वितीय व प्रियांशी तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों में लाक्षी प्रथम, कनिष्का द्वितीय व आयुषी सालवान तृतीय स्थान पर रही तथा कॉलेज स्तर पर देवांश जांगिड़ प्रथम, पूजा मीणा द्वितीय व दिप्ती रानी तृतीय स्थान पर रही। रंगोली प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

चार दिवसीय मत्स्य उत्सव में मेंहदी, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगितायें आयोजित हुई।

- मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिता में पारम्परिक रंगों का दिखा समायोजन, बाबा भर्तृहरि नाटक रहा मुख्य आकर्षण का केंद्र

बाबा भर्तृहरि के जीवनी पर नाटिका का हुआ मंचन :- मत्स्य उत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला में बाबा भर्तृहरि पैनोरमा पर ही बाबा भर्तृहरि की जीवनी पर नाटिका का भव्य मंचन हुआ, जिसमें राजऋषि अभय समाज से जुड़े कलाकारों द्वारा बाबा भर्तृहरि की जीवन वृतांत को आकर्षक स्वरूप में प्रस्तुत किया,जिसे स्कूली बच्चों सहित आमजन ने पूरी तनम्यता से नाटक का लुत्फ उठाया।

मत्स्य उत्सव के तीसरे दिन होंगे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित :-25 नवंबर को प्रात: सात बजे से पुरजन विहार (कम्पनी बाग) में योगा एवं मेडिटेशन का आयोजन होगा, दोपहर 2 बजे से सागर जलाशय पर हैण्डीक्राफट एवं फूड मेला का आयोजन होगा, जिसमें वुडन क्राफ्ट, सांझी कला, हैण्डी क्राफ्ट, पोटरी एवं टेरीकोटा का प्रदर्शन किया जाएगा तथा अलवर की पहचान मिल्क केक सहित पारम्परिक फूड स्टॉल्स भी लगाई जाएगी। इसी प्रकार सांय 4 बजे से होप सर्कस से सागर तक सांस्कृतिक रंगों से सराबोर शोभा यात्रा निकाली जाएगी तथा सांय 7.30 बजे से मूसी महारानी की छतरी पर राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी जिसमें विशेष झलक पद्मश्री गुलाबो द्वारा प्रस्तुत कालबेलिया नृत्य, जो मत्स्य उत्सव की सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय मंच पर और भी भव्यता प्रदान करेगा। साथ ही अतुल्य अलवर के इस महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा, ताकि वे अपनी कला को बड़े स्तर पर प्रस्तुत कर सकें।

इस दौरानएडीएम शहर बीना महावर, राजस्व अपील अधिकारी संजू शर्मा, पं. धर्मवीर शर्मा, हरिशंकर गोयल, पर्यटन विभाग की उप निदेशक टीना यादव, अनुरिता झा एवं हर्षिता सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी एवं आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन सुशील नागर एवं प्रेम प्रकाश शर्मा ने किया।

मांगलियावास के लिए एक्सप्रेस रोडवेज बस स्टैंड घोषित करने की मांग

अजमेर/ मांगलियावास, (कासं)। मांगलियावास सहित आसपास के लगभग 15 गांवों के ग्रामीणों ने अजमेर संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मांगलियावास में एक्सप्रेस रोडवेज बसों का स्टैंड घोषित किया जाए, जिससे स्थानीय लोगों को रात के समय आवागमन में होने वाली गंभीर परेशानी से राहत मिल सके।

ग्रामीणों ने बताया कि मांगलियावास ब्यावर और अजमेर के बीच स्थित है तथा अजमेर से लगभग 28 किलोमीटर दूर है। रात के समय अजमेर से मांगलियावास आने-जाने के लिए कोई परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं रहती। शाम 7:30 बजे के बाद अजमेर और ब्यावर से न तो रोडवेज की बस मिलती है और न ही स्थानीय बस, इस कारण ग्रामीणों को मजबूरन रात गुजारनी पड़ती है या महंगे किराये पर अन्य साधन लेने पड़ते हैं। ज्ञापन में बताया गया कि सुबह 6:30 बजे के बाद ही स्थानीय बसें चालू होती हैं, जिसके कारण रात की आपात स्थिति में मरीजों, छात्रों, कर्मचारियों और यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पंचायत समिति सदस्य, उपसरपंच, सामाजिक कार्यकर्ता सहित ग्रामीणों ने बताया कि मांगलियावास होकर अजमेर, ब्यावर, जयपुर, जोधपुर व अन्य शहरों के लिए बसों का आवागमन होता है। बसें मांगलियावास से होकर गुजरती तो हैं, लेकिन यहां रुकती नहीं है, जिससे ग्रामीणों को कई किलोमीटर का अतिरिक्त सफर झेलना पड़ता है।

- रोडवेज बसों का स्टैंड घोषित होने से लोगों को रात के समय आवागमन में होने वाली गंभीर परेशानी से राहत मिल सकेगी

ग्रामीणों ने राजस्थान रोडवेज प्रशासन से मांग की है कि मांगलियावास को एक्सप्रेस रोडवेज बसों का स्टैंड घोषित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को रात-दिन सुविधाजनक परिवहन सेवा मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में कृष्णा देवी गुर्जर (पंचायत समिति सदस्य), रामदेव जाट (प्रमुख समाजसेवी), हरिशंकर रेजर सहित स्थानीय ग्रामीण शामिल थे।

नसीराबाद राजकीय चिकित्सालय में सोनोग्राफी मशीन चार साल से बंद

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी मशीन बंद होने का सीधा फायदा निजी केंद्रों को मिल रहा है, जनता की जेब कट रही है

नसीराबाद, (निसं)। राजकीय समान्य चिकित्सालय नसीराबाद में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर तस्वीर सामने आई है। अस्पताल में करीब चार वर्षों से सोनोग्राफी मशीन जंग और धूल खाती पड़ी है, मगर हैरानी की बात है कि आज दिन तक इसका एक भी ऑपरेटर नियुक्त नहीं किया गया। नतीजा यह कि प्रतिदिन कई मरीज मजबूरी में निजी केंद्रों पर महंगी जांच कराने को विवश हैं।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, मशीन अस्पताल में लंबे समय पहले उपलब्ध करा दी गई थी, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती और गैर ज़िम्मेदारी के चलते अब तक मशीन बंद पड़ी है। हर साल अधिकारियों से 'जल्द दिशा-निर्देश' और 'प्रक्रिया जारी है' जैसे बयान मिलते हैं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। इधर, निजी सोनोग्राफी केंद्रों पर जांच के लिए मनमाने शुल्क वसूले जा रहे हैं।

नसीराबाद का राजकीय समान्य चिकित्सालय।

- आज दिन तक इसका एक भी ऑपरेटर नियुक्त नहीं किया गया है
- नतीजा यह कि प्रतिदिन कई मरीज मजबूरी में निजी केंद्रों पर महंगी जांच कराने को विवश हैं

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सरकारी मशीन बंद होने का सीधा फायदा निजी केंद्रों को मिल रहा है। जनता की जेब कट रही है और अस्पताल में सुविधा होते हुए भी लोग दर-दर भटक रहे हैं। गर्भवती महिलाओं, दुर्घटना पीड़ितों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। जहाँ सरकार मुफ्त या सस्ती जांच की बात करती है, वहीं नसीराबाद में सरकारी मशीन बंद होने के कारण मरीजों को गैर जरूरी आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि चार साल में भी एक ऑपरेटर नियुक्त न कर पाना किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है। जनता तक सुविधा पहुँचाने की बजाय फाइलें ही घूम रही हैं। शहरवासियों ने जिला प्रशासन और चिकित्सा विभाग से तुरंत हस्तक्षेप कर मशीन को चालू कराने और ऑपरेटर की नियुक्ति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि मरीजों को राहत मिल सके और निजी केंद्रों की मनमानी पर रोक लगे।

श्रीगंगानगर में फसलों पर जमी बर्फ

श्रीगंगानगर, (निसं)। हिमालय की ओर से आने वाली उत्तरी हवाओं ने श्रीगंगानगर जिले में ठंड बढ़ा दी है। नमी का प्रभाव बढ़ने के साथ ही ठंड का प्रभाव भी बढ़ना शुरू हो गया है। ग्रामीण इलाकों में सुबह फसलों पर ओस की बूंदें और कोहरा देखा गया। ज्वार की फसल पर हल्की बर्फ भी जमी हुई दिखाई दी। साथ ही धुंध भी छाई रही। जिले में ठंडी हवाओं के साथ सर्दी का कहर जारी है। कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर पर आज सुबह का न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। रविवार को यहां न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री व अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। वहीं शनिवार को यहां न्यूनतम तापमान 12 डिग्री व अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मौसम वैज्ञानिकों ने अगले तीन-चार दिनों में एक से दो डिग्री तापमान में और गिरावट आने की संभावना जताई है। श्रीगंगानगर में सोमवार सुबह भी कड़ाके की ठंड का प्रभाव रहा। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इन दिनों मौसम रबी की फसलों के लिए अनुकूल बना हुआ है। आगामी दिनों में सर्दी का प्रभाव और बढ़ने की संभावना है। फसलों के लिए भी ठंड फायदेमंद है। फसलों में सिंचाई पानी की मांग कम होने के साथ ही बढ़वार भी अच्छी होगी।

राशिफल मंगलवार 25 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:58 तक, गंड योग दिन 12:50 तक, बव करण बदन 10:10 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग और रवियोग दिन 11:58 से आरम्भ होंगे। आज श्री रामजानकी विवाह, नाग पंचमी (द.बंगाल) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:36 से 10:55 तक, लाभ-अमृत 10:55 से 1:33 तक, शुभ 2:51 से 4:10 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29 तक

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
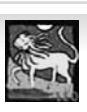
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
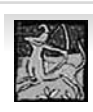
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन
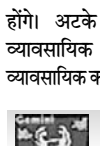
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

तुला
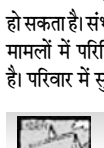
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
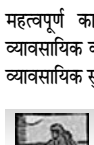
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
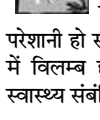
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
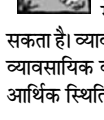
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
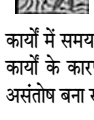
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सार-समाचार

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

सादुलपुर, (निसं)। रामसरा टिब्बा में एक व्यक्ति को कुल्हाडी व सरीयों से मारपीट व कैम्पर गाडी से कुचलकर हत्या के प्रयास के मामले में सिद्धमुख थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिद्धमुख थानाधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त प्रकरण में राकेश कुमार पुत्र राजेन्द्रसिह जाट (32) निवासी रामसरा टिब्बा पुलिस थाना सिद्धमुख को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार शाम पांच बजे मिली जानकारी में जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि 6 नवम्बर 2025 को परिवादिया सुनिता पत्नी फतेहसिंह जाट (38) निवासी रामसरा टिब्बा पुलिस थाना सिद्धमुख जिला चूरू ने एक लिखीत रिपोर्ट पेश की कि 5 नवंबर 2025 को रात्री के समय उसका घर पडौसी राकेश पुत्र राजेन्द्र अपनी माता व भाई के साथ गन्दी-गन्दी गालिया निकाल रहा था, तब उसके पति फतेह सिंह ने घर से बाहर आकर गालिया निकालने से मना किया तो राकेश कुमार, प्रदीप पुत्रगण राजेन्द्र व केलापती पत्नी राजेन्द्र निवासीगण रामसरा टिब्बा ने उसके पति के साथ कुल्हाडी व सरीयों से मारपीट की और अधमरा कर छोड़कर चले गये वगैरा वगैर आदि मुकदमा दर्ज कर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान धर्मेन्द्र सिंह उनि थानाधिकारी सिद्धमुख द्वारा शुरू किया गया। अनुसंधान के दौरान किशोरीलाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सेक्टर राजगढ, अभिजीत पाटिल आई.पी.एस. सहायक पुलिस अधीक्षक वृत राजगढ के निकटतम सुपरविजन में धर्मेन्द्रसिंह उनि थानाधिकारी सिद्धमुख मय टीम द्वारा मामले में आरोपी राकेश कुमार पुत्र राजेन्द्र सिंह जाट (32) निवासी रामसरा टिब्बा पुलिस थाना सिधमुख को गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित फतेह सिंह आरोपी राकेश कुमार का परिवार में चाचा है, जो गम्भीर चोटो के कारण सर्वेस अस्पताल हिसार हरियाणा मे 5 नवंबर 2025 से उपचाराधीन है, तथा जिसकी हालात गम्भीर है। प्रकरण में आरोपी से अनुसंधान जारी है।

समर्थन मूल्य पर मूंग खरीद के निरस्त टोकनों की जांच की मांग

सादुलपुर, (निसं)। समर्थन मूल्य पर खरीफ फसल मूंग खरीद के लिए किसानों को जारी किए गए टोकनों में बडी संख्या में निरस्तीकरण करने के विरोध में सोमवार को किसानों ने एसडीएम कोर्ट राजगढ में विरोध प्रदर्शन किया। तथा मामले को लेकर किसानों ने उपखंड अधिकारी राजगढ डॉ मनोज खेमादा को ज्ञापन सौंपकर किसान हित में पुन: जाँच की मांग कर किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की है। शाम पांच बजे मिली जानकारी के अनुसार इस अवसर जगत सिंह, जेल सिंह, गुमान सिंह, मेघराज, शंकरलाल, भगवान सिंह, जोरावर सिह, कमल, राकेश कुमार, सत्यवीर सिंह, सुरेंद्र पूनियां मारवाड व रामकुमार सहित दर्जनों किसानों ने ज्ञापन में बताया कि राजफैड द्वारा जारी किए गए टोकनों में से लगभग 2600 टोकन निरस्त कर दिए गए हैं, जिसके कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। किसानों का कहना है कि उन्होंने नियमानुसार पंजीकरण करवाकर सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करवाए थे, उसके बावजूद भी उनके टोकन निरस्त कर दिए गए हैं। किसानों ने उपखण्ड अधिकारी डॉ मनोज खेमादा से मांग करते हुए कहा कि निरस्त किए गए सभी मूंग टोकनों की पुन: जांच करवाई जाए, ताकि जिन किसानों का टोकन गलत तरीके से निरस्त हुआ है, उन्हें समर्थन मूल्य पर मूंग बेचने का लाभ मिल सके। किसानों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी समस्या का शीघ्र समाधान कर किसानों को राहत प्रदान करेगा।

गैस सिलेंडर में अचानक आग लगी, अफरा-तफरा मची

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर के वार्ड नंबर 3 में सोमवार अल सुबह करीब 5 बजे अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। वहीं आग लगने से मोहल्ले वासियों में अफरा तफरी का माहौल बन गया, मगर घटना के बाद जलते गैस सिलेंडर को निकाल कर गली में फेंका गया तो गली में खडे टेंपो को भी आग लग गई तथा टेंपो और गैस सिलेंडर को जलते हुए देखा तो मोहल्ले वासी एक बार तो दहशत में आ गए। जिसके बाद गीले कपडों से आग पर करीब आधे घंटे की कडी मकसद के बाद आग पर काबू पाया गया। सुबह 11 बजे मिली जानकारी के अनुसार गनीमत ये रही कि कोई जन हानि नहीं हुई। प्रकरण अनुसार सादुलपुर के वार्ड 3 की मंजू देवी ने बताया कि उसके पुत्र अशोक कुमार पुत्र स्व. नोरत मल ने पानी गर्म करने के लिए गैस सिलेंडर को चालू किया गया था, जिसके बाद रेगुलेट ने अचानक से आग पकड़ ली और देखते-देखते आग की लापटे निकलने लगी, इसके बाद गैस सिलेंडर को गली में फैंका गया तथा गीले कपड़ों से आग पर काबू पाया गया। इस दौरान घर के कुछ कपडे जलकर राख हो गए तथा टेंपो भी जल गया। अशोक कुमार पुत्र स्व. नोरगमल जो की टेम्पू चलाकर अपना परिवार चलता है, मगर टेम्पू जलने से भी रोजी रोटी पर संकट आ गया है।

जुआ खेलते छह जने गिरफ्तार

बीदासर (निसं)। पुलिस ने रविवार देर रात्री को मुखबिर की सूचना पर झंडी-मंडी का जुआ खेलतें 6 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गस्त के दौरान पुलिस थाना के एचसी महेश कुमार को जरिए मुखबिर सूचना मिली की कुछ लोग श्रीडूंगरगढ रोड स्थित रामा होटल के पास झंडी-मंडी पर दाव लगा रहें है। जिस पर एचसी महेश कुमार मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे तो कुछ लोग गोल गैरा बनाएं हुए झंडी-मंडी का जुआ खेल रहें थे। जिस पर दबिश देकर पुलिस ने राजुराम पुत्र खुमाराम जाट निवासी ढाणी पोटलियान, मदनलाल पुत्र भंवरलाल जाट निवासी हेमासर आथूणा, मोहम्मद जाफर पुत्र गुलामरसूल सिलावट, शंकरलाल पुत्र लक्ष्मणराम जाट, ओमप्रकाश पुत्र राधाकिशन राजपुरोहित निवासी बीदासर, रतनलाल पुत्र पुरखाराम जाट निवासी ढाणी कालेरा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 6 हजार 180 रुपये जब्त कर जुआ सामग्री बरामद की।

वैवाहिक वर्षगांठ पर बच्चों को स्वेटर बांटे

झुंझुनूं, (निसं)। महावीर इंटरनेशनल सनराइज द्वारा डॉ. एसएन शुक्ला एवं वीरा निर्मल शुक्ला की वैवाहिक वर्षगांठ पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय मोहल्ला नायकान में छोटे-छोटे बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म स्वेटर वितरण की गई। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ. उम्मेद सिंह शेखावत, डॉ. एसएन शुक्ला, श्यामसुंदर जालान, महेश कुमार मूंड, नागरमल जांगिड, सुमेरसिंह कर्णावत, डॉ. एसके भार्गव, डॉ. नरेंद्रसिंह नरूका, राजेंद्रप्रसाद जोशी, प्रदीपकुमार शुक्ला, देवेंद्र कुमार गौड, शिवप्रसाद महर्षि, सुभाषचंद्र जोशी, अशोक कुमार शर्मा, ओमप्रकाश ककरानिया, विकास शुक्ला, मुबारक पहाडियान, इकबाल सिद्दीकी, मोहम्मद यासीन, सीताराम सैनी एवं काफी संख्या में वीर वीराएं एवं पाठशाला स्टाफ व गणमान्य जन उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापिका मंजू ने नेक कार्य के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

उपभोक्ता जागरुकता विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता हुई

झुंझुनूं, (निसं)। रामादेवी महिला महाविद्यालय नूआं में सोमवार को आईक्यूएसी के तहत एनएसएस के तत्वावधान में उपभोक्ता जागरूकता विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एनएसएस प्रभारी डॉ. नीतू सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने उपभोक्ता जागरुकता से संबंधित पोस्टर बना कर सभी को जागरूक करने का प्रयास किया। इतिहास व्याख्याता डॉ. अशोक शर्मा ने स्वयंसेविकाओं को उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. आशा मिश्रा, उप प्राचार्या डॉ. शहला सैयद, डॉ. रमाकांत शर्मा, सतीश चौधरी, एनएसएस प्रभारी डॉ. नरेश नैण, डिम्पल मील, सुनिता जाखड़, अनीशा बानो, मनीषा मोदी, सपना स्वामी, विपिन मौजूद थे।

ट्रोमा सेंटरों का निरीक्षण किया

सीकर, (निसं)। चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हर्षल चौधरी ने सोमवार को लक्ष्मणगढ़ जिला चिकित्सालय तथा फतेहपुर के उप जिला अस्पताल में संचालित ट्रोमा सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ट्रोमा सेंटर में कार्यरत चिकित्सकों व स्टॉफ, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, रखरखाव व आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता का जायजा लिया। वहीं आमजन दी जा रही सेवाओं व सुविधाओं की समीक्षा की और निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ सुभाष महला व डॉ. शीशराम चौधरी, सहायक लेखा अधिकारी डॉ बजरंग बागड़िया सहित स्टॉफ़ के सदस्य उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में गूंजी न्याय की आवाज, उपभोक्ता आयोग में 30 दिन का न्यायोत्सव शुरू

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में 30 दिवसीय कंज्यूमर्स वॉयस न्यायोत्सव का कलेक्ट्रेट में शुभारंभ हुआ। झुंझुनूं में उपभोक्ता अधिकारों को मजबूत करने और आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को 30 दिवसीय कंज्यूमर्स वॉयस न्यायोत्सव का शुभारंभ जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील के सान्निध्य में हुआ। कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

जिला आयोग की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को उपभोक्ता अधिकारों, खरीद के बिल लेने की आदत, मानक चिह्नित उत्पादों की पहचान और अनुचित व्यापार व्यवहार की स्थिति में आयोग से न्याय पाने की प्रक्रिया से अवगत कराना है। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने बताया कि यह विशेष अभियान एक महीने तक चलेगा और पूरे जिले में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। आयोग का लक्ष्य है कि एक लाख उपभोक्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से उपभोक्ता जागरूकता शपथ दिलाई जाए।

अभियान की पहली ही सुबह लगभग 5000 से अधिक उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन व ऑफलाइन शपथ लेकर प्रमाण-पत्र डाउनलोड किए। जिससे आयोग का उत्साह और बढ़ गया है। मील ने कहा कि शुरुआत बहुत अच्छी रही है और हमें पूरा विश्वास है कि एक लाख का आंकडा हम निर्धारित समय से पहले ही हासिल कर लेंगे।

ऑनलाइन उपभोक्ता जागरूकता शपथ अभियान भी लॉन्च:- कार्यक्रम के दौरान ऑनलाइन उपभोक्ता जागरूकता शपथ अभियान भी लॉन्च किया गया। इसके तहत एक क्यूआर कोड जारी किया गया है, जिसे स्कैन करते ही उपभोक्ता तुरंत शपथ ले सकते हैं और प्रमाण-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उपभोक्ता इसे ई-मेल पर भी प्राप्त कर सकते हैं। इस तकनीकी सुविधा ने कार्यक्रम को आधुनिक स्वरूप दिया है और बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों और सरकारी कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। कई अधिवक्ताओं ने मौके पर ही लोगों को बताया कि रोजमर्रा की खरीदारी में बिल लेने से न सिर्फ उपभोक्ता सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि टैक्स चोरी पर भी नियंत्रण होता है।

हर खरीद पर हमेशा बिल जरूर लें:- अध्यक्ष मनोज मील ने कहा कि उपभोक्ता अधिकार सिर्फ कानून की भाषा नहीं, बल्कि हर नागरिक की सुरक्षा का हिस्सा हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि किसी भी वस्तु या सेवा की खरीद पर हमेशा बिल लें, उत्पाद के मानक चिन्ह (आईएसआई, एजी-मार्क आदि) की जांच करें और यदि कोई व्यापारी गलत व्यापार व्यवहार करता है, सेवादोष करता है, तो उपभोक्ता आयोग में शिकायत करके न्याय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयोग का उद्देश्य उपभोक्ता और सेवा प्रदाता के बीच पारदर्शिता स्थापित करना है।

झुंझुनूं में 30 दिवसीय कंज्यूमर्स वॉयस न्यायोत्सव का कलेक्ट्रेट में शुभारंभ हुआ।

- पहले दिन पांच हजार ने शपथ ली

30 दिन में होंगे कई आयोजन:- इस 30 दिवसीय न्यायोत्सव के दौरान जिले के विभिन्न स्थानों पर रंगोली प्रतियोगिता, संगोष्ठी, सेमिनार, जागरूकता रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों-कॉलेजों में विशेष व्याख्यान आयोजित होंगे। जहां विशेषज्ञ छात्रों को उपभोक्ता संरक्षण कानून, शिकायत प्रक्रिया और डिजिटल सुरक्षा के बारे में जानकारी देंगे। इसके अलावा सोशल मीडिया के माध्यम से भी अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट सुभाष पूनिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह समेत बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

अपना घर आश्रम में गर्म वस्त्र वितरित

रतनगढ़ (निसं)। संकटग्रस्त,असहाय प्राणी मात्र की दयनीय स्थिति को देखकर हृदय में उपजी करुणा से सेवाभाव परिपुष्ट होता है , देखने वाले व्यक्ति के मन में स्वत: इच्छा होती है कि जितनी भी बन सके उतनी सेवा मुझे अवश्य करनी ही चाहिए। ये विचार रतनगढ के पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि ने नूवां रोड स्थित अपना घर आश्रम में गर्म वस्त्र वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।आश्रम व्यवस्था का अवलोकन कर उन्होंने कहा कि आपाधापी पूर्ण जीवन में ऐसे स्थान पर आकर मन को सुकून मिलता है और यहां निवासरत प्रभुजनों की सेवा के लिए विशेष प्रयासों की प्रेरणा मिलती है । प्रभुजनों की सेवार्थ स्थाई एंबुलेंस व्यवस्था शीघ्र हो सके,इसके लिए विशेष प्रयास का भाव भी उन्होंने व्यक्त किया।अपना घर आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ विजय प्रकाश गोयल ने शाब्दिक स्वागत कर बताया कि आश्रम में ऐसे निराश्रित,बीमार,मंदबुद्धि लोगों का निवास होता है जिनकी सार संभाल करने वाला कोई भी नहीं हो। ट्रस्ट सचिव कुलदीप व्यास ने अस्वस्थ प्रभुजनों हेतु समुचित चिकित्सा व्यवस्था सुलभ करवाने में सहयोग का निवेदन किया तो महर्षि ने उसी समय पीएमओ रतनगढ से दूरभाष पर वार्ता की। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष नरेंद्र झंवर व महावीर रामगढिया, रामावतार ठठेरा ने आश्रम के सुव्यवस्थित संचालन हेतु समय दान और आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

नीमकाथाना में एसआईआर विषयक टॉक शो का आयोजन

सीकर, (निसं)। कमला मोदी गर्ल्स कॉलेज, नीमकाथाना में 88.4 एफएम धड़क के सहयोग से एसआईआर विषयक जागरूकता हेतु एक टॉक शो का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में एसडीएम नीमकाथाना राजवीर सिंह यादव तथा इलेक्शन आइकॉन आरजे नैना ने छात्राओं को एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा उनके प्रश्नों के समाधान किए।

एसडीएम राजवीर सिंह यादव ने छात्राओं से अपील की कि वे अपना सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाएं एवं आसपास के लोगों को भी इस प्रक्रिया में सहयोग हेतु प्रेरित करें।

उन्होंने बताया कि जिन नागरिकों को सूचना भेजी गई है, वे निर्धारित प्रक्रिया अनुसार अपना सत्यापन करवा सकते हैं तथा अन्य व्यक्तियों की भी सहायता कर सकते हैं।

- छात्राओं को एसआईआर की महत्ता और इसके माध्यम से मतदाता सूचनाओं के सत्यापन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया

इस अवसर पर आरजे नैना ने छात्राओं को एसआईआर की महत्ता और इसके माध्यम से मतदाता सूचनाओं के सत्यापन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध एवं सटीक बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

टॉक शो के दौरान एसडीएम ने भी एसआईआर से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपने परिवार, पड़ोस और समुदाय में जागरूकता फैलाएँ ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में भाग ले सकें।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को एसआईआर के बारे में जागरूक करना एवं उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों और संकाय सदस्यों ने प्रक्रियागत जानकारी प्राप्त की और अपने सवालों के जवाब पाए। टॉक शो में एसडीएम नीमकाथाना राजवीर सिंह यादव, इलेक्शन आइकॉन आरजे नैना, इलेक्शन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आरजे सूरज, कार्यवाहक प्राचार्य आर.एन. शर्मा, डॉ. मोहर सिंह, प्रो. रोहिताश यादव, प्रो. कुमुद प्रियदर्शिनी, प्रो. वंदना देवी, प्रो. निकिता, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. सुरेश चौधरी, बहादुरमल सैनी और कन्हैया लाल सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी लखनऊ में झुंझुनूं की सहभागिता

झुंझुनूं, (निसं)। भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में लखनऊ उत्तरप्रदेश के अटल स्टेडियम पर 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी का आयोजन 23 से 29 नवंबर तक किया जा रहा। जिसका विधिवत उद्घाटन 24 नवंबर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ध्वजारोहण के साथ किया।

- उत्तर प्रदेश में झुंझुनू के स्काउट गाइड कर रहे जिले का नाम रोशन
- 30 हजार से अधिक स्काउट गाइड भाग ले रहे हैं

सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस जंबूरी में राजस्थान प्रदेश से 1703 स्काउट्स गाइड्स, प्रभारी एवं अधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। जिसमें झुंझुनूं जिले से प्रेरणा सीनियर सैकंडरी स्कूल नवलगढ़ के 12 स्काउट्स यूनिट लीडर कविराज के नेतृत्व में तथा आठ गाइड्स गाइड कैप्टन अनिता के नेतृत्व में, जीपीएस पोद्दार नवलगढ के छह स्काउट प्रभारी रौनक वर्मा के नेतृत्व में तथा जीपीएस पोद्दार नवलगढ की चार गाइड्स ममता के नेतृत्व में, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजगढ मंडी के चार स्काउट एवं रामलाल शिक्षण संस्थान अलसीसर के पांच स्काउट्स स्काउट प्रभारी सुनिल कुमार के नेतृत्व में कुल 48 स्काउट गाइड सहभागिता कर रहे हैं। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि जंबूरी में देश अनेक राज्यों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताएं यथा स्काउट गाइड गेट, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, कैंप क्राफ्ट, स्किल, लोक नृत्य, मार्च पास्ट, कलर पार्टी, बैंड प्रदर्शन, प्रदर्शनी, एडवेंचर सहित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। विजेता राज्य को नेशनल चीफ कमिश्नर शील्ड से सम्मानित किया जाएगा।

झुंझुनूं के तीन लीडर राष्ट्रीय स्तर पर चयनित:- सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि झुंझुनूं जिले के लीडर ट्रेनर प्रहलादराय जांगिड, पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परसरामपुरा के स्काउट प्रभारी एवं सहायक लीडर ट्रेनर शिव प्रसाद वर्मा, रोवर लीडर विक्की कुमार, राष्ट्रीय स्तर पर संचालक दल में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। झुंझुनूं के प्रहलाद राय जांगिड उत्तर प्रदेश राज्य के सब कैंप चीफ तथा शिवप्रसाद वर्मा राजस्थान प्रदेश के डिप्टी सब कैंप चीफ की भूमिका निभा रहे हैं। रोवर लीडर विक्की कुमार को विशेष कार्य दिया गया है।

हिमाचल के राज्यपाल ने बाबा श्याम के दर्शन किए

सीकर (निसं)। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला सीकर जिले स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी पहुंचे, जहां आगमन पर सीकर पुलिस के जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। राज्यपाल ने खाटू धाम में बाबा श्याम के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। दर्शन के उपरांत श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चौहान तथा मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने राज्यपाल महोदय को श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा तथा पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने राज्यपाल का स्वागत एवं अगवानी की।

भलिया देवी पीजी कॉलेज में छात्राओं ने उपभोक्ता अधिकारों की शपथ ली

बुहाना (निसं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा आयोजित उपभोक्ता अधिकार न्यायोत्सव कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को भलिया देवी पीजी कॉलेज में बड़ी संख्या में छात्राओं एवं आमजन ने उपभोक्ता अधिकारों की शपथ ली। कार्यक्रम में कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. रामसिंह डूडी ने छात्राओं को शपथ दिलाते हुए उन्हें उपभोक्ता के मौलिक अधिकारों और दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. डूडी ने कहा कि किसी भी वस्तु या सेवा को खरीदते समय मूल्य, गुणवत्ता, मात्रा, मानक चिह्न और समाप्ति तिथि की जांच करना हर उपभोक्ता का अधिकार है।

उन्होंने बिल लेने की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि यह उपभोक्ता का न केवल अधिकार है। बल्कि शुद्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी रोकने का महत्वपूर्ण साधन भी है।

- छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और समाज में उपभोक्ता जागरूकता का संदेश फैलाएं

उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और समाज में उपभोक्ता जागरूकता का संदेश फैलाएं। इस अवसर पर लिए गए शपथ पत्र में विद्यार्थियों ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 का सम्मान करने, किसी भी भ्रामक विज्ञापन से सतर्क रहने, खरीदारी में पारदर्शिता अपनाने, उचित मंच पर शिकायत करने और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को प्राथमिकता देने का वचन लिया। कार्यक्रम में प्रवक्ता सुनिता यादव, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. ओमप्रकाश पायल, डॉ. अमित कुमार बिरबान, डॉ. सरिता कुमावत, इरफान खान, अनुज कुमार, कमलकांत रांगेय, मंजू कुमारी, शंकरलाल वर्मा, अमित प्रजापत एवं बबीता राईका सहित कई शिक्षाविद उपस्थित रहे। उपभोक्ता आयोग द्वारा आयोजित 30 दिवसीय कार्यक्रम युवा पीढ़ी में उपभोक्ता जागरूकता और अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

जिला कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति, समस्याओं के समाधान एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

कलेक्टर शर्मा ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने तथा शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, एनएफएसएफ, लाडो प्रोत्साहन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, कुसुम बी एवं सी, राइजिंग राजस्थान, पीएमएवाई शहरी, स्वच्छ भारत मिशन जैसी फ्लैगशिप योजनाओं में तेजी लाने पर जोर दिया। एसआईआर अभियान के तहत सभी विभागों के अधिकारियों, कार्मिकों एवं उनके परिजनों के गणना प्रपत्र (ईएफ फॉर्म) को ऑनलाइन अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए, तथा इस कार्य को प्राथमिकता प्रदान करने को कहा। इसके अलावा, शहर के रेजिडेंशियल क्षेत्रों में संचालित औद्योगिक गतिविधियों की निगरानी एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए नगर परिषद आयुक्त को निर्देशित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर भावना शर्मा ने लोकायुक्त, मानवाधिकार एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रकरणों का निस्तारण तथा लाइट्स पोर्टल में जवाबनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एकता पदयात्रा का आयोजन आज

सीकर, (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने आदेश जारी कर बताया कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, युवा कार्यक्रम विभाग के निर्देशानुसार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले में सरदार150 एकता पदयात्रा (एकता मार्च) का आयोजन किया जाएगा।

यह एकता मार्च 25 नवम्बर 2025 को प्रात: 10 बजे रामलीला मैदान, लक्ष्मणगढ से प्रारंभ होकर मुरली मनोहर मंदिर (डाकनियों का मंदिर), चौपड बाजार, गणेशजी का मंदिर, पुराना बस स्टैंड से होते हुए तोदी कॉलेज के खेल मैदान तक संपन्न होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सरदार पटेल के राष्ट्र एकता, अखंडता एवं सेवा भावना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद भूमाफियाओं ने कन्हैयालाल बागला हवेली को तोड़ा

चूरू, (निसं)। चूरू जिला मुख्यालय पर कन्हैया लाल बागला हवेली को हैरिटेज सिटी में शामिल करने की बात थी, परन्तु कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद भूमाफियाओं ने उसे तोड़ दिया है। मिली जानकारी के अनुसार 30 अक्टूबर को क्लेक्टर के निर्देश पर चूरू उपखंड अधिकारी ने मौके पर पहुंकर भूमाफियाओं को हवेली नहीं तोड़ने के लिए पाबंद किया था।

नगरपरिषद् के एएसआई और एस आई ने भी विभाग को सूचित किया था लेकिन हवेली को टूटने से कोई नहीं बचा सका। दो दिन पहले प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर खुलेआम हवेली क तोड़कर मलबा भी ले गए हैं। किसी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

इस हवेली को तोड़ने में किसी बड़े ही नेता या किसी पहुंच वाले व्यक्ति का हाथ बताया जा रहा है। अन्यथा तो कोई एक ईंट भी नहीं तोड़ सकता, हवेली को तोड़ना तो बहुत बड़ी बात है।

इस संबंध में आज जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को अवगत कराने पर उन्होंने भी गहरा आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि एस डी एम ने हवेली में जाकर संबंधितों को पाबंद किया था। कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने हवेली में खड़े एसडीएम की फोटो भी दिखाई।

सुराणा ने कहा है कि भूमाफियाओं के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जावेगी। सुराणा ने तत्काल एस डी एम को निर्देश दिए हैं। अब देखना है कि क्या कार्यवाही होती है या बात आई गई हो जावेगी।

- कन्हैयालाल बागला हवेली को हैरिटेज सिटी में शामिल करने की बात थी, भूमाफियाओं ने उसे तोड़ दिया
- कलेक्टर के निर्देश पर चूरू उपखंड अधिकारी ने भूमाफियाओं को पाबंद किया था

चूरू जिला मुख्यालय पर कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद भूमाफियाओं ने उसे तोड़ दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ठेकों की ई-ऑक्शन सूचना

संख्या : जी 450/एनएफआर/ई-ऑक्शन/2025 दिनांक 24.11.2025

1	कार्य का नाम	जयपुर मंडल के विभिन्न श्रेणी के रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग, पे एण्ड यूज, एटीएम, विज्ञापन एवं विविध प्रकार के ठेकों हेतु ई-ऑक्शन।
2	कार्य की अवधि	1. विज्ञापन : 03 वर्ष 2. विविध प्रकार के ठेके- 1. ग्लोबॉल टॉवर : 03 वर्ष 2. इंटिग्रेटिड कॉर्ट्रैक्ट्स : 05 वर्ष 3 कैटरिंग यूनिट्स : 03 वर्ष 4 पार्किंग : 03 वर्ष 5. पार्सल स्पेस (एसएलआर) : 03 वर्ष
3	लॉट के ई-ऑक्शन के प्रारम्भ की तिथि व समय	

क्रम	लॉट का नाम	ई ऑक्शन की तिथि	समय
1.	विज्ञापन	27.11.2025	11:15
2.	विविध प्रकार के ठेके- 1. ग्लोबॉल टॉवर 2. इंटिग्रेटिड कॉर्ट्रैक्ट्स	04.12.2025	10:00
3	कैटरिंग यूनिट्स	05.12.2025	11:15
4	पार्किंग	08.12.2025	11:15
5	पार्सल स्पेस (एसएलआर)	09.12.2025	12.15

4	वेबसाइट जहाँ से लॉट वाइज ई-ऑक्शन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है	:www.ireps.gov.in

1513-DR/25

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

हत्या के 15 साल पुराने मामले में एससी एसटी कोर्ट ने 29 लोगों को सजा सुनाई

आरोपी पक्ष के 14 को उम्रकैद की सजा व दूसरे पक्ष के 15 लोगों को 2-2 साल की जेल

- खेड़ली थाना इलाके के 15 साल पहले पुराने रास्ते को लेकर विवाद में एक जने की हत्या का मामला

अलवर, (निसं)। अलवर के खेड़ली थाना इलाके के 15 साल पुराने हत्या के मामले में अलवर की एससी-एसटी कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट की जज अनीता सिंघल ने एक पक्ष के 14 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि दूसरे पक्ष के 15 लोगों को दो-दो साल के कारावास की सजा सुनाते हुए प्रोविजन का लाभ दिया है।

यह मामला 16 सितंबर 2010 का है, जिसमें घाटा भंवर गांव के परिवादी राजेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार गांव के पुराने रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपियों ने रास्ता जोत दिया और जब गांव वालों ने विरोध करते हुए रास्ते पर पत्थर गाड़े तो आरोपियों ने वे पत्थर भी उखाड़कर फेंक दिए। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और फरसी से हमला कर दिया। इस घटना में कई लोग घायल हुए थे। गंभीर रूप से घायल रामस्वरूप को जयपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में खेड़ली पुलिस ने 17 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट पेश की थी। ट्रायल के दौरान आरोपियों में से घुड़िया राम और एक अन्य की मृत्यु हो गई, जबकि एक आरोपी हरि अभी भी फरार है। कोर्ट ने पप्पू राम, बबलू, मुकेश, विजय, नरोत्तम, बच्चू राम, लाल राम, प्रकाश, शंभू, रामबाबू, वकील, कुंदन, राधेश्याम और हरिमोहन को दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

इसी मामले में क्रॉस मुकदमा हुआ था जिसमें दूसरे पक्ष के 15 लोगों शेव प्रसाद, होती, अमरसिंह, राकेश, बनवारी, काला, रामसिंह, अशोक, रमेश, राजेंद्र, पुटटल, नारायण, कमल, ननगु और सूजन को दो-दो साल की कारावास की सजा सुनाई गई है। हालांकि सभी को कोर्ट ने प्रोविजन का लाभ देते हुए सशर्त राहत प्रदान की है। सरकारी वकील योगेंद्र खटाना ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से 31 गवाहों के बयान पेश किए गए, जिनके आधार पर कोर्ट ने फैसला सुनाया।

तहसील कार्यालय का कनिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

- तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता कार्रवाई की भनक लगते ही फरार हो गया

आरोपी कार्यालय सहायक।

सवाई माधोपुर/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की सवाई माधोपुर टीम ने कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय बरनाला जिला सवाई माधोपुर के कनिष्ठ सहायक कुलदीप सिंह को साढ़े अठारह हजार रुपये की लेते गिरफ्तार किया गया है। जानकारी में सामने आया कि कार्यालय तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता के कहने पर कनिष्ठ सहायक कुलदीप सिंह ने रिश्वत ली। इस मामले में तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता को एसीबी कार्यवाही की भनक लगने से फरार हो गया, जिसकी एसीबी की टीम तलाश कर रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की सवाई माधोपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता द्वारा जरिये दानपत्र की गयी भूमि की रजिस्ट्री करवाने की एवज में तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता की ओर से कनिष्ठ सहायक कुलदीप सिंह के मार्फत से रिश्वत मांग रहा है। वहीं उसके पिताजी के नाम की कृषि भूमि को परिवादी की पत्नी के नाम से भूमि की रजिस्ट्री करवाने की एवज में तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता अपने कार्यालय में पदस्थापित कुलदीप सिंह कनिष्ठ सहायक के मार्फत परिवादी से तहसीलदार व स्वयं लिये 28 हजार 500 रुपये चालान सहित रिश्वत मांगी। रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया गया तो रिश्वत मांग सत्यापन में कनिष्ठ सहायक कुलदीप सिंह ने परिवादी से ऑनलाइन चालान सीताराम की ई-मित्र की दुकान पर 10 हजार रुपये करवा दिया एवं शेष राशि 18 हजार नहीं होने पर रजिस्ट्री के दिन लेने पर सहमत हुआ, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी सवाई माधोपुर के ज्ञान सिंह चौधरी ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ सहायक को कुलदीप सिंह 18 हजार 500 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है व तहसीलदार लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता कार्यवाही की भनक लगने से फरार हो गया।

ज्वैलर से 38 लाख की लूट के दो दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

- अलवर के व्यापारी पैदल मार्च करते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे, पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की
- एएसपी कांबेल शरण गोपीनाथ ने आश्वासन दिया कि जल्दी ही आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे
- व्यापारियों की मांग है कि बदमाशों की माल सहित गिरफ्तारी हो, वरना दो दिन बाद अलवर बंद करेंगे

सैंकड़ों व्यापारी पैदल मार्च करते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे।

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में टेल्को चौराहे के पास राधा ज्वैलर्स में शनिवार को दिनदहाड़े हुई 38 लाख रुपए की बड़ी लूट के दो दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। इधर, सोमवार को सैंकड़ों व्यापारी पैदल मार्च करते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे। एएसपी कांबेल शरण गोपीनाथ ने आश्वासन दिया कि जल्दी आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। इधर व्यापारियों की मांग है कि बदमाशों की माल सहित गिरफ्तारी हो, वरना 2 दिन बाद अलवर बंद करने की चेतावनी दी है।

जानकारी के अनुसार अलवर शहर में सुबह 10 से 12 बजे सर्राफा बाजार बंद रखा गया। पीड़ित ज्वैलर मोहनलाल सोनी ने कहा कि एसपी व एएसपी ने बदमाशों की जल्दी गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है। व्यापार महासंघ के प्रतिनिध प्रमोद विजय ने कहा कि ज्वैलर का माल बरामद नहीं हुआ तो गुरुवार को अलवर बंद रहेगा। अलवर बंद भी अनिश्चितकाल तक किया जा सकता है। अलवर में पुलिस सक्रिय नहीं है। केवल हेलमेट व बेल्ट के चालान काटते हैं। बाकी कोई ध्यान नहीं है। ज्वैलरी एसोसिएशन अलवर के अध्यक्ष ज्वैलर दीपक गर्ग ने कहा कि भविष्य में लूट जैसी वारदात नहीं होने की तसल्ली भी चाहिए। अब दो दिन का अल्टीमेटम दिया है। उसके बाद अलवर बंद किया जाएगा।

गौरतलब है कि शनिवार दोपहर करीब तीन हथियारबंद बदमाश दुकान में घुसे थे। कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर सोने-चांदी के जेवर और नकदी भरकर लेकर फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद है, लेकिन पुलिस की छह टीमें लगने के बावजूद अभी तक बदमाशों का कोई पता नहीं चला। अग्रवाल धर्मशाला में शहर के सर्राफा व्यापार संघ, स्वर्णकार समाज, संयुक्त व्यापार महासंघ सहित कई व्यापारिक संगठनों की बैठक हुई। व्यापारियों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और माल बरामदगी की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि शहर में दिनदहाड़े व्यापारी और दुकानें निशाने पर हैं, जबकि पुलिस सिर्फ हेलमेट और बेल्ट चेक करने में लगी रहती है। शहर में नाकाबंदी नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। बदमाश खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकताएं कर रही हैं।

विस्फोटक चबाने से गौवंश घायल

बून्दी, (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर 2 चंबल घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में शनिवार को हुए धमाके में एक गाय का जबड़ा फट गया। आशंका जताई जा रही है कि विस्फोटक सामग्री वन्यजीवों के शिकार करने के लिए रखी गई थी। घटना केशोरायपाटन रेंज की माखीदा पंचायत के बडाहवली गांव के नजदीकी बीहड़ की बताई जा रही है। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही जिले में जंगली सूअर सहित अन्य वन्यजीवों के शिकार की घटनाएं बढ़ जाती है।

ट्रेन में चढ़ते समय ट्रैक पर महिला गिरी

छबड़ा, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर एक वृद्ध महिला चलती मेमू ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर नीचे गिर गई, किंतु समय रहते रेलवे सुरक्षा बल के एक जवान की सूझबूझ से महिला की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार बीना से कोटा जाने वाली मेमू ट्रेन छबड़ा स्टेशन पर पहुंची थी। ट्रेन के रवाना होते ही अयोध्या बाई तमोली (65) चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय फिसलकर ट्रैक पर गिर गईं। ड्यूटी पर तैनात जवान शहजाद ने तुरंत महिला को लेट जाने की बात कही। महिला ने जवान की बात मानकर पटरी व प्लेटफार्म के बीच स्थित जगह में लैट गई। इस बीच ट्रेन के तीन से चार डिब्बे गुजर गए। इसके बाद ट्रेन रुकते ही महिला को सकुशल बाहर निकाला गया। इस दौरान महिला के सिर में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। स्टेशन कर्मियों ने तुरंत महिला को प्राथमिक उपचार देते हुए पट्टी की।

15 हजार का इनामी नशा तस्कर गिरफ्तार

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सिटी थाना पुलिस में करीब ढाई साल से फरार 15 हजार रुपये के इनामी नशा तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़ा गया आरोपी स्वरूप सिंह, बाड़मेर जिले का निवासी है।

थाना के उप निरीक्षक माणकलाल ने देर शाम बताया कि 3 मई 2023 को तत्कालीन एसआई ओम प्रकाश मान ने नाकाबंदी के दौरान 430 ग्राम हेरोइन के साथ तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया था कि वे बाड़मेर क्षेत्र से हेरोइन लेकर आए थे। बाद में अनुसंधान के दौरान पुलिस ने पांच और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेसी करवा दिया। इन आठ लोगों के पकड़े जाने के बाद पुलिस को आरोपी स्वरूप सिंह पुत्र सुजान सिंह राजपूत, निवासी रोहणी, पुलिस थाना गडरा रोड़, जिला बाड़मेर की तलाश थी। एसआई माणकलाल ने बताया कि लंबे समय से फरार आरोपी पर पुलिस ने 15 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

कोटा थर्मल प्लांट में अजगर ने श्रमिक पर हमला किया

- अजगर करीब 10 फीट लंबा और एक क्विंटल के आसपास वजनी था
- श्रमिक के साथियों ने मिलकर उसे अजगर के चंगुल से छुड़ाया

कोटा, (निसं)। कोटा सुपर थर्मल प्लांट में बड़ी घटना सामने आई एक अजगर ने यूनिट में काम कर रहे ठेका श्रमिक नंद सिंह के पैर को जकड़ लिया। नंद सिंह की आवाज सुनकर अन्य कर्मचारी भी वहां पर आए, लेकिन अजगर ने उसके पैर को पूरी तरह से जकड़ रखा था। श्रमिक के साथियों ने मिलकर उसे अजगर के चंगुल से छुड़ाया। अजगर की पकड़ से छूटने के बाद नंद सिंह को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पूरे थर्मल परिसर में हड़कंप मच गया।

कर्मचारी नंद सिंह ने बताया कि वह ठेका फार्म के जरिए थर्मल परिसर में काम करता है। उसकी ड्यूटी यूनिट नंबर 5 में थी। वो 12.30 के आसपास पार्किंग एरिया में था। इसी दौरान वहां पर एक अजगर ने अचानक उस पर हमला कर दिया और पैर को जकड़ लिया। शख्स को अजगर खींचकर झाड़ियां में ले गया। उसने बताया कि मेरी किस्मत ठीक थी कि अन्य कर्मचारी मेरे नजदीक थे और मेरी आवाज सुनकर वे तत्काल पहुंच गए। उन्होंने हिम्मत दिखाते हुए अजगर को मेरे से अलग करने की कोशिश शुरू कर दी फिर मुझे अजगर की जकड़ से छुड़ा लिया अन्यथा मेरी जान जा सकती थी। ठेका श्रमिक सचिन शर्मा का कहना है कि तत्काल अजगर को छुड़ाने की कोशिश की लेकिन उसकी पकड़ और ज्यादा से ज्यादा मजबूत हो रही थी। अजगर के मुंह डंडे से दबा दिया था। ताकि वह नंद सिंह को छोड़ दे। यह अजगर करीब 10 फीट लंबा और एक क्विंटल के आसपास वजनी था।

थर्मल के रिटायर्ड कर्मचारी और यूनियन के सदस्य राम सिंह शेखावत का कहना है कि अधिकारियों के लापरवाही के चलते ही वन्य जीव का खतरा लगातार थर्मल प्लांट में बना रहता है। कभी भालू, पैंथर या अन्य वन्य जीव परिसर में आ जाते हैं। अब अजगर ने ही अटैक कर दिया है। यहां साफ-सफाई की भी व्यवस्था सुचारू नहीं रहती है। कर्मचारी भय के माहौल में काम कर रहे हैं।

आरएएस भर्ती-2024 : प्रथम चरण के साक्षात्कार पत्र अपलोड

- आयोग द्वारा साक्षात्कार पत्र ऑफलाइन रूप से नहीं भेजे जाएंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएँ संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा-2024 के प्रथम चरण के साक्षात्कार 1 से 12 दिसंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। प्रथम चरण में सम्मिलित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार पत्र आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक से इसे डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग द्वारा साक्षात्कार पत्र ऑफलाइन रूप से नहीं भेजे जाएंगे और न ही ऑफलाइन विस्तृत आवेदन पत्र और सेवा प्राथमिकता क्रम स्वीकार किए जाएंगे।

साक्षात्कार के समय, उम्मीदवारों को ऑनलाइन भरे गए विस्तृत आवेदन पत्र, अटेस्टेशन फार्म एवं सेवा प्राथमिकता क्रम की दो प्रतियां और संलग्नक दस्तावेजों की एक प्रति स्वहस्ताक्षरित (मूल दस्तावेजों सहित) आयोग में प्रस्तुत करनी होगी। विस्तृत आवेदन पत्र की ऑनलाइन शुल्क 50 रूपए की रसीद संलग्न करना अनिवार्य है। विस्तृत आवेदन पत्र व अटेस्टेशन फॉर्म की 2 प्रतियों में यथास्थान पर फोटो चस्पा करते हुए 3 अतिरिक्त फोटो भी अभ्यर्थियों को साथ लानी होगी।

दस्तावेजों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश :- आयोग ने विस्तृत आवेदन पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी वेबसाइट पर जारी किए हैं। इनकी पालना साक्षात्कार में सम्मिलित अभ्यर्थियों को करनी होगी।

पदों की संख्या में वृद्धि, शुद्धि पत्र जारी :- राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कनिष्ठ रसायनज्ञ (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग) भर्ती-2025 अंतर्गत शुद्धि पत्र जारी किया गया है।

आयोग सचिव ने बताया कि कनिष्ठ रसायनज्ञ के 13 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन संख्या 2/2025-26 दिनांक 2 अप्रेल 2025 को जारी किया गया था। विभाग द्वारा कनिष्ठ रसायनज्ञ के पदों की संख्या में वृद्धि किये जाने के फलस्वरूप कुल पदों की संख्या 16 हो गई है, जिनके संशोधित वर्गवार वर्गीकरण के संबंध में शुद्धि पत्र संख्या 13/2025-26 जारी किया गया है। अभ्यर्थी इसका अवलोकन आयोग की वेबसाइट पर कर सकते हैं।

किसान से मारपीट मामले में छबड़ा विद्युत निगम के जेईएन को निलम्बित किया

- विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने मुख्यमंत्री सहित सीएमडी से मुलाकात कर जेईएन को निलंबित किए जाने की मांग की, निगम ने जेईएन को निलंबित कर दिया
- विद्युत निगम कार्यालय में विद्युत उपकरण लेने गया था किसान, कनिष्ठ अभियंता रजनीष चावला ने गाली-गलौच की और लात-घूसों से मारपीट भी कर डाली

छबड़ा, (निसं)। स्थानीय विद्युत निगम कार्यालय में विद्युत उपकरण लेने गए किसान के साथ जेईएन हाथापाई पर उतर आया और किसान के साथ लात-घूसों से मारपीट की। जिसका वीडियो भी जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने मुख्यमंत्री सहित सीएमडी से मुलाकात कर जेईएन को निलंबित किए जाने की मांग की। इस पर निगम ने तत्परता दिखाते हुए जेईएन को निलंबित कर दिया।

जानकारी अनुसार एक ओर तो सरकार राज्य के प्रत्येक नागरिक की समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उधर, छबड़ा विद्युत निगम के कनिष्ठ अभियंता रजनीष चावला ने सारी मर्यादाओं को तोड़ते हुए विद्युत तार मागंने गए इब्राहिमपुर जदीद निवासी किसान धीरपसिंह लोधा के साथ गाली-गलौच की और किसान द्वारा विरोध करने पर उसके साथ लात-घूसों से मारपीट भी कर डाली। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा हैं। विधायक प्रतापसिंह सिंघवी को जैसे ही घटना के बारे में जानकारी मिली तो सबसे पहले उन्होंने निगम की सीएमडी आरती डोगरा व मुख्यमंत्री कार्यालय में डीआईजी से मुलाकात कर घटना की जानकारी दी एवं दोषी जेईएन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस पर निगम ने तत्परता दिखाते हुए जेईएन चावला को निलंबित कर दिया।

किसान ने जेईएन पर अभद्रता व मारपीट का आरोप लगाया:- किसान धीरपसिंह ने बताया कि उन्होंने कनेक्शन के लिए फाईल लगा रखी थी और कनेक्षन के लिए तार कम पड़ गया था। वह जेईएन से तार देने के लिए निवेदन करने गया था। परंतु जेईएन ने उसकी बात नहीं सुनी और धक्का देकर बाहर निकाल दिया और उसके लात-घूसों से मारपीट की। उसने जेईएन के साथ कोई मारपीट नहीं की।

जेईएन ने किसान पर पहले मारपीट का लगाया आरोप:- जेईएन रजनीश चावला ने बताया कि धीरपसिंह द्वारा कनेक्शन के लिए फाईल लगाई गई थी जिसकी लगभग ढाई माह पूर्व इंडेंट काटकर मैंने उसे भेज दी थी। सोमवार को धीरपसिंह मेरे पास आया और मुझसे कहा कि मुझे ट्रांसफार्मर दे दो। इस पर मैने उससे कहा कि अभी आपकी लाईन का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है। तो उसने कहा कि मेरे पास तार कम पड़ रहा हैं। इस पर उन्होंने धीरपसिंह से कहा कि तार स्टोर से ले लो। इस पर धीरपसिंह ट्रांसफार्मर की इंडेंट देने की जिद करने लगा और मेरे साथ गाली-गलौच पर उतारू हो गया। आपसी बहस में धीरपसिंह ने उनके थप्पड़ जड़ दिया। उन्होंने बचाव करने के लिए हाथापाई की। उन्होंने किसान के विरूद्ध थाने में परिवाद सौंप दिया है।

किसान से मारपीट करने वाला जेईएन निलंबित:- किसान के साथ मारपीट की घटना को गंभीरता से लेते हुए जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) ने अधीनस्थ कर्मचारी जूनियर इंजीनियर रजनीश चांवला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोमवार को विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने इस प्रकरण को अत्यंत आपत्तिजनक बताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से जयपुर में मुलाकात कर संबंधित कर्मचारी पर कठोर व त्वरित कार्रवाई की मांग की थी। सिंघवी की मांग के उपरांत मामले को गंभीर मानते हुए जेवीवीएनएल ने कर्मचारी विनियम, 1962 के तहत निलंबन आदेश जारी कर दिया। विधायक सिंघवी ने कहा कि सरकार किसानों की सुरक्षा, सम्मान और सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा किसान के साथ दुर्व्यवहार, दुराचार या मारपीट जैसी घटनाएं किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती।

किसान व विद्युत कर्मचारी संघ ने दिए ज्ञापन:- इस मामले में भा.कि. सभा ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जेईएन के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की। वहीं राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच करवाकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

सीआई राजेश खटाणा ने बताया कि किसान धीरपसिंह ने जेईएन रजनीश चावला द्वारा उसके साथ अभद्रता व मारपीट करने की रिपोर्ट पेश की है। किसान की रिपोर्ट पर जेईएन चावला के विरूद्ध मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

पिता-पुत्र पर सरियों से जानलेवा हमला

पावटा, (निसं)। पावटा में शुक्रवार 21 नवम्बर की शाम बाइक सवार दो अज्ञात नकाबपोश हमलावरों ने पिता-पुत्र पर सरियों से जानलेवा हमला कर दिया। इस गंभीर मामले में पीड़ित महावीर प्रसाद निवासी राजस्थान स्कूल के पीछे, शर्मा कॉलोनी पावटा ने प्रागपुरा थाना में मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि वह शाम करीब सात बजे अपने पुत्र नितेश के साथ दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही दोनों मोदी मंदिर के पास नाहरजी खेलना वाली मिल के समीप पहुंचे, वहां पहले से बाइक पर खड़े दो बाइक सवार अज्ञात नकाबपोश व्यक्ति, जिन्होंने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था अचानक उनको देखते ही उन पर टूट पड़े। दोनों अज्ञात हमलावरों ने सरियों से महावीर प्रसाद पर हमला किया, जिससे उन्हें सिर पर गंभीर चोटें आईं। घटना के दौरान उनका पुत्र नितेश पीछे बैठा होने से बाल-बाल बच गया। घायल महावीर प्रसाद को मौके पर पहुंचे सुशील योगी द्वारा तुरंत अस्पताल ले जाया गया। प्रार्थी ने पहचान स्वरूप एक व्यक्ति के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। महावीर प्रसाद की तहरीर पर थाना प्रागपुरा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

खंभे पर काम करते करंट से दो युवक झुलसे, एक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के पंडेर थाना क्षेत्र के बालापुरा और अखेपुरा गांव के बीच रविवार को बिजली के खंभे पर काम करते समय करंट लगने से दो युवक झुलस गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान हीरालाल कीर के रूप में हुई है, जिसका शव पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया है। गंभीर घायल बाबूलाल मीणा को प्राथमिक इलाज के बाद जयपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बिजली विभाग की ओर से लिए गए शटडाउन के दौरान खंभे पर काम कर रहे थे। इस दौरान अचानक करंट आने से दोनों की हालत बिगड़ गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस और बिजली विभाग को दी। पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। हादसे की खबर फैलते ही अस्पताल के बाहर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर नाराजगी भी जताई है।

Rajasthan Council of School Education
S. Radha Krishnan Shiksha Sankul, 5th Block, 2nd & 3rd Floor, JLN Marg, Jaipur - 17
Ph.: 0141-2700366, 2715590, 2715550, E-Mail: rajssa_acctt@yahoo.co.in; rcse.ict@gmail.com
No. :- {Ref No.} 2066 Dated :- 18/11/2025
Corrigendum (NIB : 05/2025-26)
In reference NIB 05/2025-26 dated 06-10-2025 (UBN No. : RSE2526GLOB01594) for Supply, Installation, Testing, Commissioning and operations of ICT Labs in 3213 Govt. Schools. Some clarification/Corrigendum/Addendum regarding bid and other details may be seen at State Public Procurement Portal website **www.sppp.rajasthan.gov.in** or website **"www.rajsmsa.nic.in"** and e-proc portal.
Raj.Samwad/C/25/14458 State Project Director

कार्यालय नगरपरिषद बहरोड़ जिला-कोटपूतली-बहरोड
Email id- behror.jaipur@gmail.com Phone no. 01494-220090
क्रमांकः- न.प.ब. / निर्माण / 2025 / 3006 दिनांकः-19.11.2025
ई निविदा सूचना संख्या - 10/2025-26
नगरपरिषद बहरोड़ की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए सील बंद निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा website www.sppp.raj.nic.in/eproc.rajasthan.gov.in से download कर देखी / प्राप्त की जा सकती हैं। RTPP एक्ट की शर्ते मान्य होंगी एवं अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं।
जिसके Nib Code व UBN Number निम्न प्रकार हैं।
NIB Code-DLB2526A8247
UBN No.- DLB2526SLOB24653
राज.संवाद / सी / 25 / 14494 आयुक्त नगरपरिषद बहरोड़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांक : 3045-51 दिनांकः 17/11/2025
ई-निविदा सूचना संख्याः 07/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सड़क/भवन कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
NIB Code PWD2526A4355
UBN No. PWD2526WSOB17070
(के. के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम
DIPR/C/17113/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय निदेशक, पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान, जयपुर
(दूरभाष नं. 0141-2820360, email-dirarch@rajasthan.gov.in)
क्रमांकः पु.सं./स्मा./तक / चांदपोल गेट पार्किंग/2025/17015 दिनाक-14/11/25
ई-बिड सूचना
चांदपोल गेट, आमेर महल परिसर में पार्किंग स्थल के लिए एक वर्ष हेतु पार्किंग ठेका कार्य हेतु अनुभवी फर्मों से ऑनलाईन बिड दो अलग-अलग प्रस्तावों में (तकनीकी एवं वित्तीय प्रस्ताव के रूप में) आमंत्रित की जाती है। बोली का विवरण http://museumsrajasthan.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
Bid UBN No. (1) AMD2526SLOB00073
DIPR/C/17116/2025 निदेशक

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाईट. www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा / 2025-26 / ई -30 दिनांक :- 18.11.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 30/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 66.01 लाख के कुल 03 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 19.11.2025 एवं अंतिम तिथि 28.11.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 01.12.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
राज.संवाद / सी / 25 / 14414 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली (राज.)
क्रमांकः- न.प.हि.,/2025-26/8215 दिनांक-20.11.2025
ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26
नगर परिषद हिण्डौन सिटी हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में (निविदा प्रभावी होने की तिथी से)मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत संचालित कार्यो के लिये निर्माण सामग्री आपूर्ति यथा ग्रेवल, ईट, पत्थर, रेज / बजरी, क्रेशरब्रोकन, मिट्टी,सीमेंट,चूना,पट्टियों,बाईडिंग बायर,लोहा,सरिया,लोहे के दरवाजे एंव खिडकियॉ,पानी के टैंकर सप्लाई,मशीनरी / उपकरण एंव परिवहन इत्यादि सामग्री की आपूर्ति हेतु दिनांक 31.03.2026 तक या आगामी आदेश तक निविदाएं आमंत्रित की जातीहै। निविदा में भाग लेने हेतु निविदादाता का वाणिज्य करविभाग मे जीएसटी अधिनियम 2017 में पंजियन एंव कम से कम बी श्रेणी में रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण एंव शर्ते वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO. DLB2526WSOB24858
राज.संवाद / सी / 25 / 14495 सभापति नगर परिषद हिण्डौन सिटी आयुक्त नगर परिषद हिण्डौन सिटी

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2025-26/1508 दिनांकः- 20.11.2025
:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 45/2025-26 ::
नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 645.96 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	Date 20.11.2025 To 26.11.2025 Time 6.00 PM तक
प्री-बिड मिटिंग की तिथि व समय	Date 24.11.2025 Time 11.00 AM पर Additional Chief Engineer Chamber (Nirman Section) Municipal Corporation Ajmer
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 27.11.2025 Time 11.00 AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
NIB CODE :-ANN2526A0160
UBN NO. :-ANN2526WLOB00211
राज.संवाद / सी / 25 / 14420 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

जयपुर मेट्रो विस्तार से कम होगा शहर का ट्रैफिक दबाव : भजनलाल शर्मा

राजधानी जयपुर की तेजी से बढ़ती जनसंख्या और यातायात को देखते हुए मेट्रो का विस्तार अत्यंत आवश्यक : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। प्रदेश में सुगम और अत्याधुनिक परिवहन तंत्र विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो विस्तार परियोजना की समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने कहा कि जयपुर की बढ़ती जनसंख्या

- **जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट राज्य सरकार ने मंजूर कर केंद्र सरकार को भेजी है, वहां से मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू होगा**
- **परियोजना में 42.80 किलोमीटर लंबे रूट पर 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इनमें 34 एलीवेटेड तथा 2 अंडरग्राउंड स्टेशन शामिल होंगे।**

और यातायात को देखते हुए मेट्रो का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल शहरवासियों

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर मेट्रो विस्तार परियोजना की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी, बल्कि ट्रैफिक दबाव भी काफी हद तक कम होगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) राज्य सरकार द्वारा मंजूर कर केंद्र को भेज दी गई है। मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। परियोजना में 42.80 किलोमीटर लंबे रूट पर 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इनमें 34 एलीवेटेड तथा 2 अंडरग्राउंड स्टेशन शामिल होंगे।

फेज-2 सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, वीकेआई, जयपुर एयरपोर्ट, जयपुर रेलवे स्टेशन, गांधी नगर रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थलों को आपस में जोड़ेगा। इससे एसएमएस स्टेडियम, एसएमएस हॉस्पिटल, कलेक्ट्रेट, विद्याधर नगर, अंबाबाड़ी, टोंक रोड और सीकर रोड के घनी आबादी वाले इलाकों को भी मेट्रो सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेट्रो विस्तार के दौरान स्टेशन उन्हीं स्थानों पर बनाए जाएं, जहां यातायात का दबाव अधिक रहता है। इससे लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सकेगी। उन्होंने लागत और खर्च का सटीक मूल्यांकन करने पर भी जोर दिया, ताकि वित्तीय संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो और जनता को दीर्घकालीन सुविधा मिल सके। बैठक में मेट्रो परियोजना के फेज-थ्री ए, बी और सी के प्रस्तावित मार्गों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से आगे की योजनाओं, तकनीकी पहलुओं और लागत का विवरण साझा किया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को मेट्रो विस्तार कार्य में तेजी लाने और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रदेश के विद्युत निगमों की फुटबॉल टीम ने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता

जयपुर (कासं)। पंजाब पावर कॉरपोरेशन द्वारा पटियाला में 19 नवंबर से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित की गई 47वीं अखिल भारतीय विद्युत फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 में राजस्थान की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया है।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने टीम के जयपुर पहुंचने पर विद्युत भवन में

- **अखिल भारतीय विद्युत फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का पटियाला में हुआ आयोजन**
- **कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में मध्य प्रदेश पावर को हराया**
- **राजस्थान के विद्युत कार्मिक ड्यूटी के साथ खेलों में भी अव्वल : ऊर्जा मंत्री**

खिलाड़ियों को शानदार उपलब्धि अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के बिजली कर्मचारी विषम परिस्थितियों में अपनी नौकरी करते हैं और नौकरी करने के साथ समय निकालकर शरीर

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने राजस्थान विद्युत विभाग की टीम को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

स्वस्थ रखने के लिए खेलों से भी लगातार जुड़े हुए हैं। हीरालाल नागर ने कहा कि बिजली कर्मचारियों के कल्याण को देखते हुए अन्य राज्यों और राज्य सरकार की भांति बिजली निगमो में भी स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाकर लागू की जाएगी।

राजस्थान विद्युत फुटबॉल टीम की यह उपलब्धि खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और टीम भावना का परिणाम है। प्रतियोगिता में देशभर के राज्यों से विद्युत विभागों की शीर्ष फुटबॉल टीमों ने भाग लिया।

राजस्थान टीम ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। सेमी फाइनल में हरियाणा की टीम से राजस्थान को हार का सामना करना पड़ा। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में राजस्थान के खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वी मध्य प्रदेश पावर टीम को हराकर तीसरा स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल किया।

टीम के मैनेजर पवन शर्मा सहायक निदेशक जनसंपर्क राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम, कोच विनोद कुमार तकनीशियन प्रथम जयपुर विद्युत वितरण निगम, कप्तान दिनेश मीणा, सहायक अभियंता कोटा थर्मल हैं। सभी खिलाड़ियों ने इस सफलता के लिए कड़ा संघर्ष किया था। टीम में राजस्थान के सभी विद्युत वितरण निगम, प्रसारण निगम और उत्पादन निगम के विद्युत गृहों के खिलाड़ी शामिल है।

हाईकोर्ट ने प्रमुख कार्मिक सचिव और ए.सी.एस. पीएचईडी को तलब किया

लेबर कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने वाले अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति नहीं देने पर जताई नाराजगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने लेबर कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने वाले अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने के संबंध में पेश प्रार्थना पत्र पर सात साल में भी कार्रवाई नहीं करने पर नाराजगी जताई है।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख कार्मिक सचिव और अतिरिक्त मुख्य पीएचईडी सचिव को 28 नवंबर को तलब किया है। अदालत ने दोनों अफसरों से पूछा है कि कार्मिक विभाग सात साल से इस प्रार्थना पत्र को लेकर क्यों बैठा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश मुकर्रम हुसैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कार्मिक विभाग के काम करने का यह धीमा तरीका औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 29 के मकसद को नाकाम कर रहा है और इसके चलते लेबर कोर्ट के फैसले लागू नहीं हो पा रहे हैं। इसके साथ ही अदालत ने कार्मिक विभाग के रवैये पर नाराजगी भी जताई है। याचिका में अधिवक्ता सीपी शर्मा ने अदालत को बताया कि लेबर कोर्ट ने 28 मार्च, 2017 को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को 1 अप्रैल, 1982 से अर्ध स्थाई करने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद भी लेबर कोर्ट के आदेश की पालना नहीं की गई।

इस पर याचिकाकर्ता ने औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 29 के तहत लेबर कमिश्नर के समक्ष प्रार्थना पत्र पेश किया। लेबर कमिश्नर ने 5 मार्च, 2018 को कार्मिक विभाग को पत्र लिखकर दोषी अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी करने को कहा। याचिका में कहा गया कि करीब सात साल का समय बीतने के बाद भी कार्मिक विभाग की ओर से लेकर कमिश्नर के पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

विभाग के इस रवैये के चलते ही लेबर कोर्ट के अवार्ड की पालना नहीं हो रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों अधिकारियों को पेश होकर इस संबंध में स्पष्टीकरण देने को कहा है।

पुलिया पर चलते ट्रक में आग

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में स्थित दादी का फाटक पुलिया पर अचानक से चलते ट्रक में आग लग गई। काफी धुंआ निकलता देख ट्रक चालक ने जैसे-तैसे ट्रक को साइड में लगाया और कूद कर अपनी जान बचाई। जिसके बाद पुलिया पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि सोमवार दोपहर करीब पौने तीन बजे के आसपास दादी का फाटक पुलिया पर चलते ट्रक में अचानक से आग लग गई। गनीमत रहीं ट्रक अमेजन कंपनी का सामान लेकर आया था और पास ही में उसे खाली कर वापस लौट रहा था। खाली ट्रक में आग लगने से बड़ा हादसा टल गया। दादी का फाटक पुलिया से उतरते वक्त ट्रक के इंजन में धुआं निकलने लगा और देखते ही आग केबिन में जा पहुंची। तभी ट्रक चालक ने ट्रक को साइड में रोका और नीचे कूद कर जान बचाई।

इंटरनेशनल कबड्डी फैडरेशन में गबन को लेकर एफआईआर दर्ज के आदेश से इनकार

जयपुर (कासं)। अतिरिक्त सिविल न्यायालय क्रम-15 महानगर द्वितीय ने इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन में पांच करोड रुपए के कथित गबन से जुडे मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश देने से इनकार किया है। इसके साथ ही अदालत ने परिवादी को कहा है कि वह अदालत में पेश होकर अपनी साक्ष्य पेश करे। अदालत ने यह आदेश सुनील कुमार के परिवाद पर दिए। परिवाद में आईकेएफ के निदेशक ज्ञानेश्वर कासनी और तेजस्वी सिंह को आरोपी बनाया गया है।

परिवाद में अधिवक्ता अनिल चौधरी ने बताया कि कबड्डी की राष्ट्रीय संस्था एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया है। जबकि इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन,

- **अतिरिक्त सिविल न्यायालय ने परिवादी को साक्ष्य के लिए बुलाया**

फेडरेशन न होकर कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत कंपनी है। जिसमें दोनों आरोपी निदेशक है। कंपनी को साल 2015 से 2024 तक स्टार टीवी ने कुल 18 करोड रुपए का भुगतान किया गया। इसमें से सात करोड रुपए खेल विकास फंड के नाम पर दिए गए। जबकि यह राशि एकेएफआई को दी जानी चाहिए थी। सीएजी की ओर से ऑडिट कराने का प्रावधान आईकेएफ पर लागू नहीं होते, जिसका दुरुपयोग कर फंड का गबन किया गया है। इसके अलावा इस कंपनी में विश्व की किसी भी कबड्डी की राष्ट्रीय फेडरेशन सदस्य नहीं है। कंपनी की ओर से विश्व कप कराने की शर्त भी अनुबंध में फर्जी डाली गई है, क्योंकि कंपनी ने कोई वर्ल्ड कप नहीं कराया है।

परिवाद में कहा गया कि खेल विकास फंड में प्राप्त सात करोड रुपए में से दो करोड रुपए का खर्च का हवाला कंपनी की बैलेंस शीट में है, लेकिन शेष राशि का गबन किया गया है। वहीं विभिन्न मदों में भी अनावश्यक खर्चा दिखाया गया है। ऐसे में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने परिवादी को अपनी साक्ष्य पेश करने को कहा है।

श्री सत्य साई कॉलेज में आयोजन

जयपुर (कासं)। श्री सत्य साई पी.जी.महिला महाविद्यालय में भगवान सत्य साई बाबा का 100वां जन्मोत्सव बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान महाविद्यालय में बाबा के आकर्षक चित्रों की प्रदर्शनी तथा रंगोली से सजावट की गई। इससे पूर्व प्रभात फेरी भी निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता अधिवक्ता डॉ. अखिल शुक्ला ने कहा कि बाबा के प्रमुख चार स्तम्भ को सभी को जीवन में जनहितार्थ आत्मसात करना होगा। उन्होंने भोजन, धन, समय और ऊर्जा की बर्बादी ना करने का सन्देश दिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सरोज खेमका ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कॉलेज प्रबंध समिति के अधिवक्ता अलकेश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक कॉलेज की प्राचार्या डॉ. कमलेश शर्मा ने बताया कि छात्राओं एवं शिक्षिकाओं द्वारा पूर्ण भक्तिभाव से साई भजनों व आरती का सामूहिक गायन किया। समारोह में विशिष्ट शिक्षिकाओं व मेधावी छात्राओं का सम्मान भी किया गया।

11 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही तीन कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने 11 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही 3 अवैध कालोनियों को ध्वस्त किया। इसके साथ ही गायत्री नगर में बिना अनुमति बनाए जा रहे बेसमेंट समेत 3 मंजिला अवैध निर्माण को सील भी किया।

उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि अजमेर रोड पर बगरू में जेडीए की अनुमति और कृषि भूमि के रूपांतरण करवाए बिना ही 3 बीघा निजी खातेदारी की जमीन पर "दुर्गा विहार" स्कीम काटी जा रही थी। काश्तकार और भूखंड मालिकों ने यहां मिट्टी ग्रेवल की रोड, सीमेंट के ब्लॉक्स की सड़कें, कोठरी व अन्य निर्माण कर लिए थे।

इसी प्रकार ग्राम बेगस में 4 बीघा कृषि भूमि पर "सालासर सिटी" तथा गोपालपुरा बाईपास, मैट्रो स्टेशन, द्रव्यवती नदी के पास 4 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी चल रही थी। यहां भी प्लॉट्स की बाउंड्रीवाल, ग्रेवल रोड व

- **बगरू, बेगस तथा द्रव्यवती नदी क्षेत्र में निजी खातेदारी की जमीन पर बसाई जा रही थी अवैध कॉलोनियां**
- **गायत्री नगर में भी जेडीए की अनुमति के बिना बनाई जा रही बेसमेंट समेत 3 मंजिला इमारत सीज**

अन्य निर्माण कर लिए गए थे। सभी जगहों पर जेडीए टीम ने जेसीबी मशीन और मजदूरों की मदद से तोड़फोड की कार्रवाई कर अवैध निर्माण ध्वस्त किए।

जोन-5ए में स्थित गायत्री नगर के प्लॉट नं. 165 की जमीन पर बेसमेंट समेत 3 मंजिला अवैध निर्माण किया जा रहा था, जिसे भी जेडीए ने सील किया है।

गीतों ने घोली माटी की सौंधी महक

जयपुर । संगीत संस्थान संस्थान का दो दिवसीय संगीत समारोह सोमवार को यहां शास्त्रीनगर स्थित साइंसपार्क ऑडिटोरियम में शुरू हुआ।

कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने माटी में रचे-बसे गीतों की सुरीली जाजम सजाई। गिटारिस्ट वत्सल अनुपम के निर्देशन में सजी लोक संगीत की शाम में लोक कलाकार सरवर मीरासी और फरहान खान ने अपनी आंसदार आवाज और खड़ताल जैसे साज के साथ कई लोकगीतों की सलोनी प्रस्तुतियों से माहौल में माटी की सौंधी महक घोल दी।

लोककलाकार सरवरी मीरासी ने केसरिया बालम आवोनी...समेत दमदार मस्त कलंदर..., म्हारो रंग रंगीलों राजस्थान..., सादगी तो म्हारी...जैसे लोकगीतों की कर्णप्रिय प्रस्तुति से मौजूद श्रोताओं के मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में तबले पर मोहसिन खान समेत खड़ताल पर याकूब खान, शब्बीर खान ने दमदार संगत कर कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी।

प्रदेश में स्मार्ट पुलिसिंग को मिलेगा बढ़ावा : डी.जी.पी. राजीव शर्मा

राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्याला के मध्य हुआ एमओयू

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गुजरात के बीच सोमवार को पुलिस मुख्यालय में राष्ट्रीय एवं आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में अकादमिक,प्रशिक्षण और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पुलिसिंग में अनुसंधान-आधारित सुधारों और फील्ड स्तर की क्षमताओं को बढ़ाने की

- **राज्य की आंतरिक व सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था होगी और अधिक मजबूत**
- **विशेषज्ञता, संयुक्त अनुसंधान और नवाचारों का आदान प्रदान हो सकेगा**

दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमओयू के तहत स्मार्ट पुलिसिंग, सुरक्षा नवाचार और पेशेवर क्षमता-विकास के लिए संयुक्त कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे राज्य की आंतरिक और सार्वजनिक सुरक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राज्य में पुलिसिंग की उत्कृष्टतम प्रथाओं को लगातार अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचार पूरे देश के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के सहयोग से राजस्थान पुलिस भी और अधिक कुशलता के साथ कार्य कर सकेगी। साथ ही प्रदेश में पुलिस की कार्यकुशलता और पेशेवर क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से स्मार्ट पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक तथा आंतरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में

डी.जी.पी. राजीव शर्मा की मौजूदगी में एमओयू पर राजस्थान पुलिस की ओर से पुलिस उप महानिरीक्षक प्रशिक्षण शरद चौधरी तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की ओर से डीन अविनाश खारेल ने हस्ताक्षर किए।

कार्य और अधिक संगठित तथा प्रभावी ढंग से संपादित किए जा सकेंगे। साथ ही, बड़ी घटनाओं के दौरान आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की विशेषज्ञता का लाभ भी लिया जा सकेगा।

शर्मा ने कहा कि राज्य में पुलिस शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने में रक्षा विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात के वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. बिमल एन. पटेल ने कहा कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता के साथ कई ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आरआरयू की अकादमिक और विश्लेषणात्मक विशेषज्ञता, राजस्थान पुलिस की रणनीतिक तथा परिचालन क्षमताओं को और अधिक मजबूत एवं उन्नत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डॉ. पटेल ने बताया कि अब तक विश्वविद्यालय द्वारा 82 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है तथा विश्वभर में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि एमओयू के बाद राजस्थान पुलिस भी आरआरयू के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कोर्सों का लाभ आसानी से ले सकेगी। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कार्यों, अनुसंधान गतिविधियों तथा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी भी साझा की।

कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं यातायात) अनिल पालीवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए एमओयू के माध्यम से प्राप्त होने वाले लाभों का विस्तृत और सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किया।

एमओयू पर राजस्थान पुलिस की ओर से पुलिस उप महानिरीक्षक प्रशिक्षण शरद चौधरी तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की ओर से डीन अविनाश खारेल ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, पुलिस प्रशासन, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फॉरेंसिक जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस एमओयू से पुलिस शिक्षा की गुणवत्ता तथा प्रशिक्षण प्रणाली और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। विशेष प्रशिक्षण और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस प्रशिक्षकों और अधिकारियों की दक्षता और कौशल को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

इस समझौते से फैकल्टी सदस्यों, पुलिस अधिकारियों एवं शोधकर्ताओं के लिए विनिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक, आतंकवाद विरोधी रणनीति तथा खुफिया प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सकेगा।

संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं एवं नवाचारों से साक्ष्य आधारित पुलिसिंग, डेटा-आधारित रणनीतियों और नीति निर्माण को बढ़ावा मिल सकेगा।

राजस्थान पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी आरआरयू के अकादमिक कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनके व्यावसायिक विकास एवं कैरियर उन्नित में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की परिवेदनाएं

आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करें अधिकारी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जवाबदेहिता एवं पारदर्शिता से कार्य करते हुए सुशासन की ओर अग्रसर है। सरकार के द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों, नवाचारों एवं योजनाओं का प्रमुख ध्येय अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनसुनवाई भी इसी लक्ष्य की ओर बढ़ता एक मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री नियमित रूप से इस जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें राहत दे रहे हैं।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने इस दौरान आमजन की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी उम्मीद के साथ आते हैं। ऐसे में अधिकारी इन प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इनका शीघ्र निस्तारण करें।

शर्मा ने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों,

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अपने निवास पर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी।

- **मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही होगी**

बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। आमजन अपनी परिवेदनाओं के निस्तारण से बेहद संतुष्ट नजर आए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों को जल्द से जल्द राहत दी जाए। साथ ही, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए इसका शीघ्र समाधान करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस दौरान शर्मा ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन भी किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

कोटा रेलवे स्टेशन से महाराष्ट्र का मोस्ट वांटेड अपराधी गिरफ्तार

महाराष्ट्र के मोस्ट वांटेड आरोपी को ट्रेन से फरार होने के दौरान रेलवे सुरक्षा बल ने पकड़ा

कोटा, (निसं)। पश्चिम-मध्य रेलवे, कोटा मंडल में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने हेतु लगातार चलाए जा रहे ऑपरेशन रेल प्रहरी के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने एक कुख्यात और मोस्ट वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा मंडल को व्हाट्सएप के माध्यम से एक लिखित आवेदन एवं फोटोग्राफ प्राप्त हुए, जिनमें जानकारी दी गई थी कि महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डेंजरस एक्ट के तहत चिन्हित एक शातिर अपराधी, जिसके विरुद्ध लूट, मारपीट, उगाही एवं हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं, ट्रेन संख्या 19019 से फरार होकर यात्रा कर रहा है। सूचना मिलते ही मंडल सुरक्षा आयुक्त अजय शर्मा के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल कोटा पोस्ट की टीम ने बिना समय गंवाए रणनीति बनाकर कार्रवाई शुरू की।

ऑपरेशन रेल प्रहरी के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने मोस्ट वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया।

- मोस्ट वांटेड आरोपी पेशानवाज़ खान हत्या के प्रयास, उगाही और लूट के कई मामलों में वांछित था

लगभग शाम छह बजे कोटा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 01 पर संदिग्ध को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पेशानवाज़ खान उर्फ सोनू मेंटल, पिता अम्मार खान निवासी जिला ठाणे, महाराष्ट्र के रूप में की गई है। आरोपी लंबे समय से गंभीर अपराधों में संलिप्त रहा है तथा विभिन्न राज्यों की पुलिस को इसकी तलाश थी। इस कार्रवाई में निरीक्षक/पोस्ट प्रभारी चोप सिंह डावर, उप निरीक्षक सुमित रघुवंशी, कांस्टेबल हरेंद्र सिंह एवं कांस्टेबल पंकज कुमार शामिल रहे, जिनकी सतर्कता और सूझबूझ से आरोपी को बिना किसी विरोध के सुरक्षित रूप से गिरफ्तार किया जा सका। गिरफ्तार व्यक्ति को आवश्यक विधिक कार्रवाई हेतु नयानगर थाना पुलिस की टीम, जिसमें पुलिस उपनिरीक्षक अख्तर शेख शामिल थे, को विधिवत सुपुर्द किया गया।

पालिका सफाई कर्मचारी पर अवैध वसूली का आरोप

अलवर, (निसं)। अलवर के बहादुरपुर में नगर पालिका के सफाई कर्मचारी पर अवैध वसूली के आरोप सामने आने के बाद सोमवार को लोगों ने उसका पुतला फूंका। राजेश पर आरोप है कि वह लंबे समय से रेहड़ी-पटरी वालों, छोटे दुकानदारों से पर्ची और ड्यूटी का हवाला देकर रकम वसूल रहा है। वहीं पूरे मामले पर नगर पालिका ईओ महिमा ने कहा कि कर्मचारी राजेश प्रजापत ने उनके नाम का गलत उपयोग किया है। ईओ ने बताया कि रजाई व्यापारी ने कुछ दिन पहले अस्थायी अनुमति के लिए बात की थी, लेकिन अनुमति दी नहीं गई थी। ईओ महिमा ने कहा कि कर्मचारी ने मेरे नाम का गलत इस्तेमाल किया है। मैंने उसे नहीं भेजा था, लेकिन अगर उसने पावर का गलत उपयोग किया है तो जांच में स्पष्ट होगा। कार्रवाई की जाएगी।

- कर्मचारी राजेश प्रजापत ने उनके नाम का गलत उपयोग किया है : पालिका ईओ

लोगों ने नगर पालिका सफाई कर्मचारी का पुतला फूंका।

यह विवाद तब बढ़ा जब राजेश और रजाई का काम करने वाले सोकत के बीच का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में सोकत ने दावा किया कि राजेश दो बार उससे 2300 रुपए ले चुका है। वीडियो सामने आने पर स्थानीय लोग मौके पर जमा हुए और विरोध किया। लोगों का कहना है कि राजेश को सफाई का काम दिया गया है, लेकिन वह खुद को अधिकारी की तरह पेश करते हुए धमकी देकर पैसे मांगता है। आरोप है कि शनिवार को भी राजेश ड्यूटी खत्म होने के बाद रजाई वाले के पास पहुंचा और पैसे मांगने लगा। वीडियो बनते ही राजेश ने उसे धमकाने की कोशिश की। वार्ड नंबर 15 के पार्षद एमपीएस भीम रघुवीर ने कहा कि राजेश की शिकायत पहले भी प्रशासन तक पहुंच चुकी है, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पार्षद भीम सिंह ने दावा किया कि अंबेडकर स्मारक के लिए स्वीकृत 19 हजार रुपए में से 1000 रुपए राजेश ने कमीशन के नाम पर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से ले लिए। इस लेन-देन का स्क्रीनशॉट और रजिस्टर में एंट्री मौजूद है।

ईओ महिमा के अनुसार राजेश को सिर्फ पर्ची काटने का अधिकार दिया गया था, लेकिन जिस तरीके से वह इसका उपयोग कर रहा है, वह नियमों के खिलाफ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सफाई की स्थिति खराब है और कर्मचारी वसूली में ज्यादा रुचि दिखा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कर्मचारी पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

बाइक चोरी का खुलसा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात का खुलसा करते हुए एक चोर को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद की है। थाना प्रतापनगर में मोटरसाइकिल चोरी की घटना की गम्भीरता से लेते हुए एएसपी पारस जैन के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। 24 नवम्बर को त्रिदेव सिहं रावत पिता गिरधारी सिंह ने थाना में एक रिपोर्ट पेश कि की अज्ञात चोर पन्नाधाय सर्किल के पास भीलवाडा से मेरी मोटरसाईकिल चुराकर ले गया। इस रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। गठित टीम ने प्रकरण घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज व संदीग्ध पूछताछ के आधार पर बाइक चुराने वाले आरोपी ब्रहमानंद मीणा पुत्र रामचन्द्र को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद की है।

गोपालपुरा टोल प्लाजा पर कथित वाहनों से वसूली का पर्दाफाश होने पर मामला दर्ज

माण्डलगढ़, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के माण्डलगढ़ में त्रिवेणी-जहाजपुर स्टेट हाइवे के गोपालपुरा टोल प्लाजा पर फर्जीवाड़ा कर फास्टैग से लाखों के टोल टैक्स वसूली का पर्दाफाश होने के बाद पुलिस थाने में एक टोलकर्मी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जाँच कर रही हैं।

गोपालपुरा टोल प्लाजा पर मैसर्स क्षितिज कुमार चौधरी कंपनी के लेखाकार हनुमान गुर्जर ने टोलकर्मी खेमराज गुर्जर के खिलाफ माण्डलगढ़ पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपी टोलकर्मी खेमराज गुर्जर ने 18 से 20 नवम्बर 2025 को टोल प्लाजा की बन्द पड़ी केबिन नम्बर 1 के सिस्टम को चालू किया और टोल बूथ पर बिना वाहन निकले 535 वाहनों के फास्टैग से नम्बर के आधार पर प्रति वाहन 580 रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया है,जबकि वाहन टोल पर आए ही नहीं हैं।

- टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग में वाहन निकले ही नहीं और टोल काटा गया है

पीड़ित वाहन चालकों द्वारा मिली शिकायत के आधार पर मीडिया टीम द्वारा टोल प्लाजा पर की गई पड़ताल में एक दिन के 24 घण्टे में 535 अन्य राज्यों के कथित भारी वाहनों के फास्टैग से 580 रुपए प्रति वाहन के हिसाब से 3 लाख 2705 रुपए ऑनलाइन वसूली कर बहुत बड़ा फ्रॉड किया गया हैं। वहीं टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग में वाहन निकले ही नहीं और टोल काटा गया है। माण्डलगढ़ थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार मामले की जाँच शुरू की है। लेकिन दूसरी ओर गोपालपुरा टोल प्लाजा लेखाकार द्वारा दी गई रिपोर्ट पर पुलिस ने आनन फानन में बिना जांच और अपराध सम्बंधित दस्तावेज लिए तत्काल मामला दर्ज करना पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर रहा है, जबकि टोल प्लाजा पर फास्टैग से ऑनलाइन वसूली गई अवैध राशि टोल कम्पनी के बैंक अकाउंट में गई है और रिपोर्ट के मुताबिक टोल प्लाजा के लेखाकार को 20 नवम्बर को फर्जीवाड़े का पता चल गया तो आरोपी टोलकर्मी के खिलाफ पुलिस में 23 नवम्बर को शिकायत क्यों दर्ज कराई गई। वहीं इस संघेय अपराध की जांच पड़ताल किए बगैर मामला दर्ज कर कहीं न कहीं टोल कम्पनी के लिए बचाव का काम किया गया हैं।

घनश्याम मीणा, थानाधिकारी, माण्डलगढ़ का कहना है कि गोपालपुरा टोल प्लाजा के लेखाकार की रिपोर्ट पर धारा 318 (4) बीएनएस में आरोपी टोलकर्मी खेमराज गुर्जर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

देवनानी ने अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर जताया शोक

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हिन्दी सिनेमा के कलाकार एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। देवनानी ने कहा कि स्व. धर्मेंद्र न केवल फिल्म भूमि के प्रतिभाशाली कलाकार थे, बल्कि अपने समय में जनता के प्रिय कलाकार भी थे। उन्होंने अपने अभिनय, उत्कृष्ट व्यक्तित्व और सामाजिक संवेदनाओं के द्वारा लोगों के दिलों में अपना अमिट स्थान बनाया। देवनानी ने कहा कि हमने एक ऐसे सशक्त कलाकार को खो दिया है जिसने मनोरंजन, संस्कार एवं सामाजिक चेतना को एक साथ प्रकट किया। उनके जाने से जो खालीपन हुआ है, उसे भरना संभव नहीं। हमें, उनके योगदान को याद रखना चाहिये। देवनानी ने धर्मेंद्र के परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हुये ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति मिले।

- धर्मेंद्र न केवल फिल्म भूमि के प्रतिभाशाली कलाकार थे, बल्कि अपने समय में जनता के प्रिय कलाकार भी थे

मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर (गृह-ग्रुप 1 विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत साइबर फॉरेंसिक डिवीजन तथा नारकोटिक्स डिवीजन के पद के लिए मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए जारी विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत विज्ञापित पदों के विरुद्ध नारकोटिक्स डिवीजन के 1 तथा साइबर फॉरेंसिक डिवीजन के 2 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया।

बॉलीवुड अभिनेत्री सीमा मोटवानी ने ख्वाजा की दरगाह में चादर चढ़ाई

बॉलीवुड अभिनेत्री सीमा मोटवानी ने हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में चादर पेश की।

अजमेर, (कासं)। बॉलीवुड अभिनेत्री सीमा मोटवानी ने सोमवार को विश्व प्रसिद्ध सूफी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में हाज़िरी देकर अपनी नई फिल्म "श्री मैन्सी" की सफलता के लिए दुआ मांगी। दरगाह पहुंचने पर उनके साथ बॉलीवुड के दुआगो सैयद कुतुबुद्दीन सखी मौजूद रहे, जिन्होंने सीमा मोटवानी को ज़ियारत करवाई। अभिनेत्री ने मखमली चादर और ताजा फूलों का गुलदस्ता मजार पर पेश करते हुए कामयाबी, शांति और तरक्की की मन्नत मांगी। जियारत के बाद सैयद कुतुबुद्दीन सखी ने उन्हें काला धागा बांधकर तथा दुपट्टा ओढ़ाकर दरगाह शरीफ के मुबारक तबरुकात भेंट किए। अभिनेत्री ने इसे अपने लिए बेहद आध्यात्मिक अनुभव बताया और कहा कि ख्वाजा साहब की दरगाह पर आने से हर कलाकार को नई ऊर्जा व प्रेरणा मिलती है।

बताया जा रहा है कि उनकी आने वाली फिल्म "श्री मैन्सी" जल्द ही रिलीज़ होने वाली है और इसकी शूटिंग व कहानी को लेकर दर्शकों में विशेष उत्सुकता है। सीमा मोटवानी ने कहा कि वह चाहती हैं कि दर्शक फिल्म को भरपूर प्रेम दें और यह प्रोजेक्ट उनके करियर में नई ऊंचाई स्थापित करे। अजमेर की दरगाह में बॉलीवुड कलाकारों की लगातार आमद यह दर्शाती है कि कला और आस्था का यह संगम आज भी उतनी ही श्रद्धा के साथ कायम है।

सीएम आज चामुण्डेरी, नेतरा व बिलावास दौरे पर

पाली, (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पाली जिले की एक दिवसीय यात्रा कार्यक्रम के तहत 25 नवम्बर को चामुण्डेरी, नेतरा एवं बिलावास दौरे पर रहेंगे। निर्धारित यात्रा कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को प्रात: 10.25 बजे उदयपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर प्रात: 10.50 बजे चामुण्डेरी राणावतान हैलीपेड पहुंचेंगे तथा 11 बजे बाली विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास के अंतर्गत सोनी सीता देवी पत्नी श्री उम्मेदमल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चामुण्डेरी राणावतान का लोकार्पण करेंगे। वे दोपहर 12.10 बजे चामुण्डेरी राणावतान हैलीपेड से रवाना होकर 12.20 बजे नेतरा हैलीपेड पहुंचेंगे वे यहां श्री मीरा माधव सरकार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्री आशापुरा गौशाला कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे दोपहर 1.40 बजे हैलीपेड नेतरा से प्रस्थान कर दोपहर 2.15 बजे श्री बिलावास गौशाला पहुंचेंगे वे यहां श्री कृष्ण भगवान एवं देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होंगे।

अमृत भारत योजना से जैसलमेर रेलवे स्टेशन तैयार, जल्द होगा उद्घाटन

जैसलमेर, (नि.सं.)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नवनिर्मित जैसलमेर रेलवे स्टेशन अब एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाओं से यात्रियों का स्वागत करने को तैयार है। सोमवार को उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी और प्रधान कार्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) राजीव श्रीवास्तव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की बारीकियों को परखा और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। साथ ही स्टेशन की फिनिशिंग का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 140 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा यह स्टेशन पर्यटन और सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

नया स्टेशन भवन लगभग 8327 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया गया है। भवन के बाहरी हिस्से में जैसलमेर के प्रसिद्ध पीले पत्थर का उपयोग किया गया है, जिससे पारंपरिक स्थापत्य की सुंदर झलक दिखाई देती है। विशाल प्रवेश और निकास द्वार नई इमारत को भव्य रूप प्रदान करते हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर बड़े पैमाने पर आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। इनमें प्रमुख तौर पर 10 लिफ्ट और 10 एस्केलेटर्स, प्लेटफॉर्म को जोड़ने के लिए 6 मीटर चौड़ाई वाले दो नए फुट ओवरब्रिज, तीनों प्लेटफॉर्म पर 10 हजार वर्ग मीटर से अधिक कवर क्षेत्र, विशाल सर्कुलेटिंग व एयर कॉनकोर्स एरिया बनेगा।

अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि इसमें 480 वर्ग मीटर वाणिज्यिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुनर्विकास कार्य अगले 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। स्टेशन पर रोजाना 35 हजार से अधिक यात्रियों को सुगम और आरामदायक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि जैसलमेर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन बहुत जल्द किया जाएगा।

सपोटरा मुख्यालय सहित कुड़गांव में पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण

करौली, (निसं.)। जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण (सीईए) एवं सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीना व सीईए वर्क इंचार्ज एवं डीपीसी-आईईसी लखन सिंह लोधा ने सपोटरा मुख्यालय सहित कुड़गांव में संचालित पैथोलॉजी लैब का औचक निरीक्षण कर रजिस्ट्रेशन न होने तक संचालन बंद रखने के लिए पाबंद किया।

सीएमएचओ डॉ. जयंतीलाल मीणा ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अवैध लैब संचालन की रोकथाम हेतु सपोटरा में संचालित हमायरा डायग्नोस्टिक सेंटर, मुस्कान डायग्नोस्टिक सेंटर, कुड़गांव में श्री श्याम डायग्नोस्टिक सेंटर, शास्त्री डायग्नोस्टिक सेंटर पर निरीक्षण दौरान चिकित्सक, लैब टेक्नीशियन और आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति नहीं पाई गई, जिन्हें क्लीनिकल एस्टेब्लिसमेंट एक्ट में तय मानकों की पूर्ति तक लैब का संचालन बंद करने के लिए पाबंद किया। इन सभी अवैध श्रेणी में लैब संचालन पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसी क्रम में शिवम हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल संचालन स्थिति का जायजा लिया गया।

एमपी से पांच बाघिनें बूंदी के जंगलों में लाई जायेंगी

बूंदी, (निसं)। राजस्थान में हाड़ौती के दो टाइगर रिजर्व जल्दी ही मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के बाघों से आबाद होने वाले हैं। मध्यप्रदेश व राजस्थान का वन विभाग प्रथम चरण में बूंदी के रामगढ़ विषधारी व मुकुन्दरा टाइगर रिजर्व में इसी सप्ताह हेलीकॉप्टर से एक-एक बाघिन पेंच टाइगर रिजर्व से बाघिन लाने की तैयारी में है।

अगले माह रामगढ़ में ही दो बाघिन और लानी है। दूसरे चरण में अगले साल की शुरुआत में बून्दी के ही दूसरे टाइगर रिजर्व मुकुन्दरा नेशनल पार्क में मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र से दो बाघिन व रणथंभौर से एक बाघ लाने की योजना है।

यदि यह अंतरराज्यीय बाघ ट्रांसलोकेशन सफल रहता है तो बाघों के जिनपूल परिवर्तन के लिए मील का पत्थर साबित होगा। गौरतलब है कि वर्तमान में राजस्थान के सभी बाघ एक ही ब्लड लाइन के होने से कई जटिलताएं, कमजोर नस्ल व गंभीर बीमारियों की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में इस बाघ ट्रांसलोकेशन से पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों को काफी उम्मीद है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है तो राज्य के अन्य टाइगर रिजर्व में भी इसे अपनाया जा सकता है।

एसडीएम और बीएलओ ऊंट पर बैठकर कर रहे 'एसआईआर' का कार्य

बाड़मेर, (नि.सं.)। बाड़मेर जिला राजस्थान का वह दुर्गम इलाका है, जहां छितराई हुई आबादी है। लोग ढाणियों में दूर-दूर रहते हैं। एक बूथ के मतदाता कई किलोमीटर तक में फैले हुए हैं। जब भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कार्यक्रम शुरू किया, तो प्रशासन के लिए इसको समय पर निष्पादित करना चुनौती थी। इसलिए यहां निर्वाचन की टीम ने विशेष रणनीति बनाई, जिसके तहत समय से उनके घर तक पहुंच कर गणना प्रपत्र पहुंचाया जा सके और उसे वापस लेकर डिजिटिलाइज्ड किया जा सके। इसके लिए धोरों में रहे रहे लोगों तक पहुंचने के ऊंटों का सहारा लिया गया।

उदाहरण के तौर पर भारत-पाक बॉर्डर का सीमांत गांव बावरवाला में एसडीएम सेड़वा बद्रीनारायण विश्नोई और उनकी टीम ने 2 किमी रेत के टीबे पर टीम के साथ पैदल चल कर कोली, भील और देवासी जातियों के मतदाताओं के अन्यत्र निवास होने का उनके घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन किया। सीमांत क्षेत्र के नागरिकों और मतदाताओं से बीएलओ को गणना प्रपत्र भरवाने में सहयोग करने और उनको दो रंगीन फोटो, एपिक, आधार और मोबाइल नंबर की सही जानकारी उपलब्ध करवाने की अपील की। इसके साथ ही चौहटन और शिव के क्षेत्रों के दूरस्थ इलाकों में भी बीएलओ ने गांव में ही कैम्प किया।

रेतीले धोरों में कई किलोमीटर पैदल चलकर एसआईआर कार्यक्रम को बीएलओ सफल बना रहे हैं।

यहां एक ढाणी से दूसरी ढाणी की दूरी 5 से 7 किलोमीटर तक सामान्य है। इसके लिए बीएलओ यहां के स्थानीय परिवहन का भी उपयोग कर रहे हैं। यहां तक वो मतदाताओं के घर पर ही खाना खाकर सो जाते हैं फिर दूसरे दिन दूसरे स्थान पर जाते हैं। इसके साथ ही एक चुनौती इंटरनेट कनेक्टिविटी की भी आई, इसके लिए उन्होंने ऐसे प्वाइंट खोजे जहां से इंटरनेट सुगमता से मिल सके, ताकि फॉर्म को डिजिटिलाइज्ड किया जा सके। लेकिन इन दुर्गम परिस्थितियों में भी बीएलओ का हौसला कम नहीं हो रहा है और इस कार्य को करने में अपनी पूरी क्षमता से लगे हुए हैं, जिसका परिणाम है कि बाड़मेर जिला एसआईआर के कार्य में अग्रणी बना हुआ है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

करौली, (निसं)। करौली जिले के कैलादेवी थाना क्षेत्र स्थित खोहरी के घने जंगलों में सोमवार दोपहर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलने पर कैला देवी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की उम्र लगभग 45-50 वर्ष बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास बारीकी से पड़ताल की। थाना अधिकारी रामअवतार ने बताया कि मृतक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं। हालांकि, मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पुलिस मृतक की पहचान के लिए सोशल मीडिया, गुमशुदगी रिपोर्ट्स और आसपास के थानों से संपर्क कर रही है। पुलिस ने शव को कैला देवी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है और परिजनों की तलाश जारी है। थाना अधिकारी ने बताया कि शिनाख्त होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई संदिग्ध पहलू सामने आता है, तो घटना की गहनता से जांच की।

नगर परिषद सभापति पद पर भाजपा की नीतू गुप्ता ने पदभार संभाला

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय स्थित नगर परिषद के सभापति पद पर 1 वर्ष में तीन महिला सभापति बदली और चौथी महिला सभापति पद पर नीतू गुप्ता मनोनीत की गई, जिसने मध्यान्ह पश्चात पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर कार्यवाहक आयुक्त उपखंड अधिकारी प्रेमराज मीना ने पदभार ग्रहण कराया।

जानकारी के अनुसार करौली नगर परिषद सभापति पद इस पूरे 5 साल का कार्यकाल बहुत चर्चित रहा है जिस पद पर सोमवार को चौथी महिला ने पदभार ग्रहण किया। नगर परिषद सभापति पद के लिए 26 जुलाई 2020 में हुए चुनाव में रसूदा खातून कांग्रेस से सभापति बनीं और पदभार ग्रहण किया। उसे समय राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी। वर्ष 2023 में राजस्थान की सरकार भाजपा की सरकार बनीं और भाजपाइयों ने कांग्रेस की सभापति रशीदा खातून पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये और मामला न्यायालय तक पहुंच गया। न्यायालय द्वारा कांग्रेस की सभापति को निलंबित कर दिया गया। उसके उपरांत 26 जुलाई 2024 को शासन सचिव एवं आयुक्त स्वास्थ्य शासन विभाग राजस्थान सरकार द्वारा पूनम पचौरी को सभापति पद पर मनोनीत किया। उसके बाद 17 मार्च 2025 को पूनम पचौरी के स्थान पर 17 मार्च 2025 को राजरानी शर्मा को सभापति पद पर मनोनीत कर दिया गया और अब सोमवार को राजरानी शर्मा को हटाकर उनके स्थान पर नीतू गुप्ता को सभापति पद पर मनोनीत कर दिया, जो नगर परिषद के वार्ड नंबर 26 से भाजपा की पार्षद हैं, जिसने सोमवार को नगर परिषद करौली के सभापति पद पर पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर नवनियुक्त सभापति का गुलदस्ता भेंट कर वासुदेव ठेकेदार सहित भाजपाइयों ने स्वागत सम्मान किया।

करौली नगरपरिषद के कार्यवाहक आयुक्त ने नवनियुक्त सभापति नीतू गुप्ता को चार्ज संभलवाया।

गुवाहाटी की पिच अभी भी बल्लेबाजी के लिए काफ़ी अच्छी है, और अगर इस पर टिक कर बल्लेबाजी की जाए, तो आसानी से रन बनाए जा सकते हैं। - सुंदर वाशिंगटन

भारतीय ऑलराउंडर, गुवाहाटी पिच की प्रशंसा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मार्क यानसन

भारत को पहली पारी में छह विकेट लेकर झकझोरने वाले दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्क यानसन ने आज कहा कि उन्होंने विकेट की उछाल और गति का इस्तेमाल किया। यानसन (छह विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त हासिल करते हुए मैच पर अपना शिकंजा कस दिया। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में खेलते हुए बिना कोई विकेट खोये 26 रन बना लिए हैं और अपनी बढ़त 314 रन पहुंचा दी है। यानसन ने तीसरे दिन के खेल के बाद कहा, विकेट में साफ तौर पर अच्छी गति और बाउंस है।

क्या आप जानते हैं ?... विलियम गिल्बर्ट ग्रेस को "क्रिकेट का जनक" माना जाता है, क्योंकि उन्होंने 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में खेल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मार्क यानसन के छह विकेटों ने भारत को 201 रन पर समेटा

गुवाहाटी, 24 नवंबर। मार्क़ यानसन (छह विकेट) और साइमन हार्मर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को भोजनकाल के बाद भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस लिया। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। मेहमान टीम ने खराब रौशनी के कारण समय से पहले खेल रोके जाने तक बिना कोई विकेट खोये 26 रन बना लिए हैं और अपनी बढ़त 314 रन पहुंचा दी है। स्टंप्स के समय रायन रिकलटन 13 और एडन मारक्रम 12 रन बनाकर क्रीज पर थे।

इससे पहले भोजनकाल के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बीच आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। कुलदीप यादव ने 134 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 19 रन बनाये। इसके बाद यानसन ने 84वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जसप्रीत बुमराह (पांच) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउटकर कर 201 के स्कोर पर भारत की पहली पारी का अंत कर दिया। भारतीय टीम की शुरूआत तो अच्छी रही थी, जब राहुल और जायसवाल ने अर्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन इसके बाद उनका कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। मार्क़ यानसन की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजो को कोई भी मौका नहीं दिया। कुलदीप और वॉशिंगटन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी जरूर हुई, लेकिन वह नाकाफी रही।

इससे पहले झटकों से उबरते हुए वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 33) और कुलदीप यादव (नाबाद 14) ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए भोजनकाल तक भारत का स्कोर सात विकेट पर 174 रन पहुंचा दिया था। चायकाल के बाद मार्क़ यानसन ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर जवाब हमले का प्रयास कर रहे कप्तान ऋषभ पंत (सात) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यानसन ने नीतीश कुमार रेड्डी (10) और रवींद्र जडेजा (छह) को आउट कर भारत को संकट में डाल दिया। ऐसे संकट के समय वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने मोर्चा संभाला और जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन बटोरे।

इससे पहले दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का पहला सत्र यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की अच्छी शुरुआत के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के नाम रहा। साइमन हार्मर (दो विकेट) की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने चायकाल तक भारत के 102 के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली। भारत ने आज यहां कल के बिना कोई विकेट खोए नौ रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। इसी दौरान यशस्वी ने 85 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। 22वें ओवर में केशव महाराज ने केएल राहुल को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। केएल राहुल ने 63 गेंदों में दो चौकों की मदद से 22 रन बनाये।

इसके बाद 33 वें ओवर में साइमन हार्मर ने यशस्वी जायसवाल को मार्क़ यानसन के हाथों कैच आउटकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने 97 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 58 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। 35वें ओवर में हार्मर ने साई सुदर्शन (15) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में यानसन ने ध्रुव जुरेल (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आये ऋषभ पंत ने जवाबी हमला किया, हार्मर के आते ही उन्हें सीधा छक्का जड़ दिया, लेकिन चाय के समय भारत पर बहुत दबाव था, पंत 6 रन पर थे और रवींद्र जडेजा अभी खाता नहीं खोल पाए थे, तब भी वे 387 रन पीछे थे। इससे पहले, साउथ अफ्रीका का पहली पारी का 489 रन का स्कोर बड़ा बना हुआ था और तीसरे दिन ही तेज टर्न दिखने लगा है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्क़ यानसन ने 19.5 ओवरों में 48 रन देकर छह विकेट लिये। साइमन हार्मर ने 27 ओवर में 64 रन देकर तीन विकेट झटके। केशव महाराज ने एक बल्लेबाज को आउट किया। एडन मारक्रम दक्षिण अफ्रीका के लिए एक टेस्ट पारी में पांच कैच लेने वाले दूसरे फ़ील्डर बन गये। उनसे पहले ग्रीम स्मिथ यह कारनामा कर चुके हैं।

भारत का बैटिंग एप्रोच काफी खराब था : अनिल कुंबले

गुवाहाटी, 24 नवम्बर। गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मेहमान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के 489 रन के जवाब में भारत को 201 रन पर आउट कर दिया और दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए बिना कोई विकेट खोये 26 रन बनाकर 314 रन की मजबूत बढ़त बना ली।

जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने भारत के बैटिंग एप्रोच को काफी खराब बताया। कुंबले ने कहा, "मुझे लगा कि भारत की बैटिंग की कोशिश काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट में जो मेहनत और सब्र चाहिए होता है, वह नहीं था। कुछ अच्छी बॉलिंग हुई, लेकिन बैट्समैन मुश्किल स्पेल झेलने या सेशन दर सेशन खेलने के लिए तैयार नहीं दिखे। ऐसा लगा कि मकसद तेजी से रन बनाना था, जो एक टेस्ट मैच में मुमकिन नहीं है, जहां 489 रन धीरे-धीरे बनाने होते हैं। विरोधी बॉलर्स और उनके स्पेल का सम्मान करना बहुत जरूरी है, लेकिन भारत ने वह हिम्मत नहीं दिखाई।

मार्क़ यानसन ने बहुत अच्छी बॉलिंग की, जिससे भारत पर लगातार प्रेशर बना रहा। जब उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू किया, जो उनकी हाइट और अजीब लैंथ को देखते हुए मुश्किल हो सकता है, तो भारत न तो छोड़ने के लिए तैयार दिखा और न ही वार झेलने के लिए। टेस्ट क्रिकेट में मुश्किल स्पेल से बचने के लिए यह अप्रोच जरूरी है, लेकिन बदकिस्मती से, आज भारत के अप्रोच में इसकी कमी थी।"

भारत में तीन दिनों में मेहमान टीम का इस तरह हावी होना बहुत कम देखने को मिलता है : डेल स्टेन

गुवाहाटी, 24 नवम्बर। गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मेहमान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के 489 रन के जवाब में भारत को 201 रन पर आउट कर दिया। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट डेल स्टेन ने भारत की बैटिंग की कमी और लचीलेपन का विश्लेषण करते हुए कहा कि भारत में तीन दिनों में मेहमान टीम का इस तरह हावी होना बहुत कम देखने को मिलता है।

स्टेन ने कहा, "भारत में क्रिकेट के तीन दिनों में इस तरह से किसी मेहमान टीम का दबदबा देखना बहुत कम होता है। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फ़ैसला करके अच्छी शुरुआत की, यह फ़ैसला काम आया। तब से, उन्होंने जो भी कदम उठाए हैं-चाहे बैटिंग एप्लीकेशन हो या बॉलिंग मैनेजमेंट-सब सही रहा है। मेरे हिसाब से, गुवाहाटी के इन हालात में उनकी स्ट्रैटेजी और एग्ज़िक्यूशन ने भारत की कोशिशों को पीछे छोड़ दिया है।"

दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में जबरदस्त शुरुआत पर स्टेन ने कहा, "कुछ नर्वस पल आए जब बॉल बल्ले के किनारे से निकलकर गई, लेकिन कुल मिलाकर दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी शुरुआत की। रिकेल्टन ने बुमराह की बॉल पर एक बाउंड्री भी लगाई, जिन्होंने मुश्किल हालात में 30 से ज़्यादा ओवर बॉलिंग की है। यह देखते हुए कि बुमराह 150 ओवर से फील्ड पर हैं और सिर्फ़ 80 ओवर ही खेल पाए हैं। उनके और सिराज के लिए दोबारा बॉलिंग के लिए आना मुश्किल है, जबकि स्पिनर आराम कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका इस मैच में साफ तौर पर मजबूत पोज़िशन में है। जब टेम्बा बावुमा फील्ड से बाहर गए, तो यह साफ़ था कि खेल का आखिरी घंटा बैट्समैन के लिए मुश्किल होगा। बैटिंग जारी रखने का फ़ैसला सही था-पॉज़िटिव रहने, सोच-समझकर रिस्क लेने और अगर कोई विकेट गिरता है, तो उसे होने दें। कल ज़्यादा अच्छी कंडीशन में बैटिंग का पूरा दिन है, जिससे इस पोज़िशन को और बेहतर बनाने का मौका मिलेगा।"

जयपुर के आहान और आरव कर्णावट ने बनाया नया इंडिया और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड

जयपुर, 24 नवंबर। टाइक्वांडो में अलग-अलग श्रेणियों में जयपुर के दो बाल खिलाड़ीयों ने इतिहास रच दिया है। शहर के 15 वर्षीय आरव कर्णावट और 11 वर्षीय आहान कर्णावट ने टाइक्वांडों में इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाया।आरव और आहान ने ये उपलब्धि जाने-माने खिलाड़ी और अपने दादाजी महेंद्र सिंह कर्णावट के निर्देशन और प्रेरणा से हासिल की। सोमवार को इंडिया और एशियाई बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दोनों खिलाड़ियों ने विधिवत प्रशिक्षण दिखाया। इस दौरान कोच प्रदीप ने अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में आहान ने 2 किलो वजन पकड़कर 1 मिनट में सर्वाधिक ताइक्वांडों फ्रंट किक्स का रिकॉर्ड बनाया। जहां इस नए रिकॉर्ड के लिए एशिया और इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स द्वारा जारी प्रमाणपत्र के अनुसार आहान ने अद्भुत फुर्ती, गति और एकाग्रता के साथ यह रिकॉर्ड 1 मिनट में 113 किक्स के साथ स्थापित किया। वहीं आरव कर्णावट ने 5 किलो वजन पकड़कर 1 मिनट में सर्वाधिक ताइक्वांडो साइड किक्स का नया रिकॉर्ड कायम किया। जिसमें आरव ने कठिन संतुलन और दक्षता के साथ 1 मिनट में 274 किक्स के साथ राष्ट्रीय और एशियाई स्तर पर अलग पहचान बनाई।

पीएम मोदी के विजन से देश में खेलों के विकास का इकोसिस्टम हुआ तैयार : मांडविया

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स ने खेल प्रतिभाओं के सपनों को दी नई उड़ान : भजनलाल शर्मा

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स - 2025 का शुभारंभ

जयपुर, 24 नवंबर। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि नए भारत का निर्माण विकसित भारत के लक्ष्य के साथ हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने और वर्ष 2036 तक देश में ओलम्पिक खेल के आयोजन की तैयारियों के लिए मार्ग दिखाया है। डॉ. मांडविया सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने देश में खेलों के विकास के लिए इकोसिस्टम तैयार किया और जमीनी प्रतिभाओं को तराशने के लिए खेलो इंडिया कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई। इसके तहत देश में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन किया जाता है। इससे निकली प्रतिभाओं को खेल स्कूलों एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से उचित ट्रेनिंग दी जाएगी।

समारोह में ड्रोन के जरिए लाई गई टॉर्च को मुख्यमंत्री ने मुख्य मंच पर स्थापित कर खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का शुभारंभ किया। समारोह में देश-प्रदेश में खेलों के विकास और राजस्थान की विकास यात्रा व गौरव को ड्रोन शो के प्रदर्शन से दिखाया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन राजस्थान के 7 संभागों पर किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेने आए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, यह खिलाड़ियों के सपनों की उड़ान की शुरुआत है। इन गेम्स से खिलाड़ी ओलंपिक चैंपियन भी बन सकता है, इसलिए सभी खिलाड़ी पूरी लगन से इन खेलों में हिस्सा लें। शर्मा ने कहा कि जो व्यक्ति खेल के मैदान में संघर्ष करना सीख जाता है और कभी हार नहीं मानता, वह जीवन की हर चुनौती का सामना करने में सक्षम बन जाता है। इन गेम्स में खिलाड़ी सिर्फ पदक जितने नहीं आए हैं, बल्कि अपने भीतर के योद्धा को जगाने आए है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धत करते हुए युवाओं से 'उठों, जागों और देश-दुनिया पर छा जाओं' का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब पदक देखने के लिए भारत की आंखे तरस जाती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश ने खेलों की दुनिया में मान-सम्मान अर्जित किया है। हमारी भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में वर्ल्ड कप जीतकर पूरी दुनिया को बता दिया कि बेटियां भी बेटों से कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व में आज पार्क में खेलने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को तराशा जा रहा है। शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सांसद और विधायक खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से भी नई प्रतिभाओं को तलाशा जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार खेलों को प्रोत्साहन देते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध करवा रही है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम प्रारंभ की है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेताओं को दुर्घटना एवं जीवन बीमा कवरेज उपलब्ध होगा। वहीं, भारत सरकार के टारगेट ओलंपिक पॉडियम स्कीम से प्रेरणा लेकर राजस्थान टारगेट ओलंपिक पॉडियम शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अर्जुन पुरस्कार के समान द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रशिक्षकों को भी भूखण्ड आवंटित करने का निर्णय किया है।

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से देश में खेलों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। इसी कड़ी में राजस्थान में 12 दिनों तक 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन हो रहा है। हमारे युवा इन खेलों में अनुशासन और मेहनत से नए कीर्तिमान रचेंगे। उन्होंने कहा कि इन गेम्स में कोई जीतेगा, तो कोई सीखेगा।

इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री सुमित गोदारा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, सांसद मंजू शर्मा, विधायक कुलदीप धनखड़, महेन्द्रपाल मीना, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी एवं बड़ी संख्या में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के प्रतिभागी और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

टोक्यो से भी बड़ा कारनामा! ब्लाइंड महिला विश्वकप-20 भारत ने जीता, पीएम और शाह ने सराहा

नई दिल्ली, 24 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आयोजित हुए दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई दी और कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के पहले संस्करण को जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने रविवार को कोलंबो में एकतरफा फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया। प्रधानमंत्री मोदी ने पर पोस्ट किया कि भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए बधाई! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है, कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है! टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

राजस्थान के विद्युत कार्मिक ड्यूटी के साथ खेलों में भी अव्वल : ऊर्जा मंत्री

जयपुर, 24 नवंबर। पंजाब के पटियाला में 19 नवंबर से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित की गई 47वीं अखिल भारतीय विद्युत फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 में राजस्थान की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने टीम के जयपुर पहुंचने पर विद्युत भवन में खिलाड़ियों को शानदार उपलब्धि अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बिजली कर्मचारी विषम परिस्थितियों में अपनी नौकरी करते हैं और नौकरी करने के साथ समय निकालकर शरीर स्वस्थ रखने के लिए खेलों से भी लगातार जुड़े हुए हैं। हीरालाल नागर ने कहा कि बिजली कर्मचारियो के कल्याण को देखते हुए अन्य राज्यों और राज्य सरकार की भांति बिजली निगमो में भी स्पोर्टस पॉलिसी बनाकर लागू की जाएगी। राजस्थान विद्युत फुटबॉल टीम की यह उपलब्धि खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, समर्पण और टीम भावना का परिणाम है। प्रतियोगिता में देशभर के राज्यों से विद्युत विभागों की शीर्ष फुटबॉल टीमों ने भाग लिया। राजस्थान टीम ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। सेमी फाइनल में हरियाणा की टीम से राजस्थान को हार का सामना करना पड़ा। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में राजस्थान के खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वी मध्य प्रदेश पावर टीम को हराकर तीसरा स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल किया। टीम के मैनेजर पवन शर्मा सहायक निदेशक जनसंपर्क राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम, कोच विनोद कुमार तक्नीशियन प्रथम जयपुर विद्युत वितरण निगम, कप्तान दिनेश मीणा, सहायक अभियंता कोटा थर्मल हैं। सभी खिलाड़ियों ने इस सफलता के लिए कड़ा संघर्ष किया था। टीम में राजस्थान के सभी विद्युत वितरण निगम, प्रसारण निगम और उत्पादन निगम के विद्युत गृहों के खिलाड़ी शामिल है।

कृतज्ञ को जयपुर चेस क्लब रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता का खिताब

जयपुर, 24 नवंबर। नव भारती सीनियर सेकंडरी स्कूल, रामनगर सोडाला, जयपुर में आयोजित जयपुर चेस क्लब रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता में कृतज्ञ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 में से 6.5 अंक अर्जित कर खिताब अपने नाम किया । टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 25,000 की पुरस्कार राशि वितरित की गई। राजस्थान के 133 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 31 रेटेड खिलाड़ी शामिल थे। प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि जयपुर जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष अशोक चोमल व विशिष्ट अतिथि जयपुर जिला शतरंज संघ के कोषाध्यक्ष मधु मेहता थे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक सीनियर नेशनल आर्बिटर मुकेश गुर्जर रहे ।प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर चेस क्लब एवं जयपुर चेस क्लब अकादमी द्वारा किया गया।

कुशाग्र ने 25वें डेफलंपिक्स 2025 में 50 मीटर राइफल प्रोन में जीता कांस्य

जयपुर, 24 नवंबर। नवंबर भारत ने 25वें समर डेफलंपिक्स, टोक्यो 2025 में एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बनते हुए गौरांवित किया, जब राजस्थान के सुमेर नगर, मानसरोवर जयपुर में निवास करने वाले आयु में 18 वर्षीय प्रतिभाशाली निशानेबाज़ कुशाग्र सिंह राजावत ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में दमदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने भारत के नाम किया। अपनी उम्र से कहीं बढ़कर परिपक्वता, धैर्य और तकनीकी दक्षता दिखाते हुए कुशाग्र ने वैश्विक मंच पर अपनी अद्भुत क्षमता का परिचय दिया और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दबाव के बीच अद्भुत प्रदर्शन - 224.3 अंकों के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि, फाइनल मुकाबला अत्यंत तनावपूर्ण और उच्च तकनीक माँगने वाला था। किंतु कुशाग्र ने जिस शांति, स्थिरता और नियंत्रण का प्रदर्शन किया, वह उनके अनुभव की उम्र को झुठलाता है। उन्होंने कुल 224.3 अंक अर्जित कर भारत को कांस्य पदक दिलाया।

आरसीए अंडर-16 चैलेंजर ट्रॉफी शुरू, पहले दिन यश की शानदार शतकीय पारी

शोभाग, गौरव , निलय के अर्द्धशतक, नतांश, भव्य, कार्तिक, रेयांश, गौरव गेंदबाजी में चमके

जयपुर, 24 नवंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी के अनुसार बीसीसीआई की आगामी अंडर 16 ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 16 टीम के संभावितों के चयन हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आज से जयपुर में अंडर 16 चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजित की जा रही है।

आज दिनांक 24 - 25 नवबंरको शुरू हुए 2 दिवसीय मैच के पहले दिन का स्कोर : - पहला मैच टीम बी - टीम सी (लक्ष्य ग्राउंड), टीम बी पहली पारी 340 आल आउटाबल्लेबाज यश शर्मा ने शानदार शतकीय पारी खेली। टीम के लिए यश शर्मा 101, शोभागसिंह 51, अनुराग 46 व शौर्य 39 रनाटीम सी के गेंदबाज भव्य अगल 39 / 3, कार्तिक शर्मा 32 / 2 व दक्ष शर्मा, अक्षय वैष्णव, उज्जवल व अदनान 1- 1 विकेटाटीम सी पहली पारी 10 / ।

दूसरा मैच टीम ऐ - टीम डी (रणवीर सिंह ग्राउंड), टीम ऐ पहली पारी 116 आल आउटाटीम के लिए सचिन मीणा 31 व जशनदीप 31 रनाटीम डी के गेंदबाज नतांश करिया 14 / 4, रेयांश, गौरव 2 - 2 व भारत, कुणाल 1 - 1 विकेटाटीम डी पहली पारी 252 / 2, टीम के लिए गौरव सैनी 96, निलय अरोरा 58, शौर्य सिंह नाबाद47 व केविन चड्डानाबाद43 रन।

बीसीसीआई अंडर 23 वीमेन टी 20 ट्रॉफी (राजस्थान - गोवा मैच) - नागपुर में आज खेले गए राजस्थान - गोवा मैच में गोवा ने राजस्थान को 38 रनो से हराया। गोवा पारी 159 / 4, टीम के लिए तनीषा 51, उस्मा 56, हर्षिता27 रनाराजस्थान की गेंदबाज सिद्दी शर्मा, डिंपल कँवर, शानू, अर्चना योगी 1 - 1 विकेटाराजस्थान पारी 121 / 7, टीम के लिए भाविनीभार्गव नाबाद 36, डिंपल कँवर 19, अंजलि 17, पार्वती 13 व अर्चना योगी नाबाद 13 रन। गोवा की गेंदबाज मिताली 21 / 3 व उस्मा22 / 2 विकेट।

बीसीसीआई अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी - राजस्थान - गुजरात मैच (दूसरे दिन का स्कोर), राजस्थान दूसरी पारी 7 / 1, नडियाद, गुजरात में खेले जा रहे राजस्थान - गुजरात अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन का स्कोर :- राजस्थान पहली पारी 245 आल आउट, गुजरात पहली पारी 308 आल आउट, टीम के लिए पूरव76, रुद्रा 70 व मानस 53 रन, राजस्थान के गेंदबाज जतिन 88/3, नावेद 91/3 व हनी प्रताप सिंह 48 / 2 विकेट, राजस्थान दूसरी पारी 7 / 1

दक्ष के नाबाद अर्द्धशतक तथा मेहुल व हिमांक की गेंदबाजी के बावजूद केंडलविक हारी

जयपुर, 24 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ठाउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने मनताज सिंह 40 रन तथा जशन रमाना 18 रन पर 2 विकेट, हर्ष सैनी 32 रन पर 2 विकेट की बदौलत नजदीकी मुकाबले में केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी को ओपनर दक्ष कासलीवाल 62 रन नाबाद की शानदार पारी तथा मेहुल सिंह व हिमांक झालानी की शानदार गेंदबाजी के बावजूद 9 रन से हार झेलनी पडी और शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित कर लिये। टॉस जीतकर शास्त्री क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए मनताज सिंह 40 रन, अलतमश शेख 18 रन, सुब्हान पठान 19 रन, एस.एस. शर्मा 14 रन की पारियों के बावजूद केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों मेहुल सिंह 11 रन पर 3 विकेट, हिमांक झालानी 27 रन पर 3 विकेट, सार्थक त्यागी 27 रन पर 2 विकेट, मानव साबु 7 रन पर 1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष 19.3 ओवर में 136 रन पर सिमट गयी।

मुख्यमंत्री ने देश-विदेश के प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स से वीडियो पर संवाद किया

उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसम्बर के कार्यक्रम में आर्थिक विकास से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया

जयपुर, 24 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से देश-विदेश के प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स के साथ वन- टू- वन संवाद किया। इस दौरान उन्होंने चैप्टर्स के अध्यक्षों से अपने क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में सामाजिक एवं आर्थिक विकास से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने और 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आ ान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स को सुदृढ़ किया है। आज देश-विदेश में 26 चैप्टर्स के अध्यक्ष मनोनीत कर दिए गए हैं और ये सभी क्रियाशील हैं। इन चैप्टर्स की कार्यकारिणी का अनुमोदन भी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस सामारोह के संदर्भ में देश-विदेश में बने प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स के साथ विडियो के जरिये विचार विमर्श किया।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थानी दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित करेगी।

ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर, राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित भी करेगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में 'राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग' का गठन किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान, चैप्टर्स ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग के गठन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धर्मेन्द्र आए, स्क्रीन पर उतरे, शर्ट उतारी, अपनी मर्दानगी को खुलकर जिया, अपनी ग्रीक-गॉड जैसी शक्ल-सूरत से लोगों को हैरान कर दिया और ऐसा असर छोड़ा, जैसा, तब तक, बहुत कम अभिनेता छोड़ पाए थे। भारतीय दर्शकों के लिए सिनेमा का खेल बदल गया था। सिनेमा का एक नया धर्म पैदा हुआ, जिसका नाम था "धरम"। गरम, नरम - "धरम" के लिए विशेषणों की कोई कमी नहीं थी। उपनाम भी उतने ही: ग्रीक गॉड, धरती का बेटा, पारिवारिक व्यक्ति, और एक ऐसा इंसान, जो अपनी भावनाएँ खुलकर दिखाता था। वे हर पात्र की छवि में बिना किसी प्रयास के फिट बैठ जाते थे। उन्होंने जिंदगी को खुलकर जिया। प्यार किया तो पूरी तरह किया। उनके लिए "आज" ही सब कुछ था। और जब वे अपने सीटी-मार डायलॉग्स के साथ स्क्रीन पर आते थे तो भारतीय दर्शक तालियों से अपनी प्रतिक्रिया देते थे। उन्होंने यह जादू छह दशकों तक किया। 300 से भी ज़्यादा फिल्में, अनेक हिट फिल्में दीं, और नब्बे साल तक भारतीय दर्शकों को बांधे रखा। 24 नवंबर को धर्मेन्द्र ने अपने इस बड़े परिवार-अपने दर्शकों-से आखिरी विदाई ले ली, अपने 90वें जन्मदिन से ठीक दो हफ्ते पहले। धर्मेन्द्र का मुंबई आना और भारत के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बन जाना किसी सपने जैसा है। स्क्रीन आइकन दिलीप कुमार ने इस साधारण से गाँव के लड़के, पंजाब के लुधियाना ज़िले के नसराली गाँव के धर्मेन्द्र को एक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। 1948 में आई फिल्म शहीद, जिसमें दिलीप कुमार मुख्य भूमिका में थे, ने युवा धर्मेन्द्र के दिल पर अमिट असर छोड़ा था।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने से पहले जो भी प्रक्रिया शुरू हुई, उसने यह भी दिखाया है कि बांग्लादेश से भारत में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हुई है। जो लोग अवैध रूप से देश में रह रहे थे, वे अब डर गए हैं और चुपचाप देश छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के लागू होने के बाद कई खुलासे सामने आए हैं। इस प्रक्रिया ने उन अनेक बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों में डर पैदा कर दिया है, जो चोरी-छिपे भारत आए और यहां रह रहे थे।

ये अवैध घुसपैठिए अब तक उन सभी सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे, जो सिर्फ भारत के नागरिकों के लिए हैं। आम भारतीयों से मिले टैक्स रैवेन्यु और पब्लिक के पैसे का इस्तेमाल गरीब भारतीय परिवारों के लिए बनीं

■ यह बांग्लादेशी ममता बनर्जी का वफादार वोट बैंक था और ममता जी ने उन्हें विश्वास दिलाया था कि वे सर प्रक्रिया पूरी नहीं होने देंगी, पर, सर प्रक्रिया पूरी होती देख, यह वोट बैंक टूटा तो है ही और नाराज़ भी है, ममता जी से।

योजनाओं पर खर्च होना चाहिए था, लेकिन इन अवैध लोगों को भी वही लाभ मिलते रहे।

यह सामान्य परिस्थितियों में अपराध है और पकड़े जाने पर इन्हें सज़ा हो सकती है। इसके अलावा, बिना वैध कागज़ों के किसी देश में रहना भी एक क्रिमिनल अपराध है।

कुछ स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, इन अवैध घुसपैठियों का बड़ा हिस्सा अब अपनी दुकानें बंद कर बांग्लादेश लौट गया है। उम्मीद है कि जल्द ही और भी लोग वापस जाएंगे। भारत-बांग्लादेश सीमा के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में लोग बांग्लादेश की ओर लौटने की जल्दी में दिखाई दे रहे हैं।

वैसे भी, अगर इनमें से किसी अवैध घुसपैठिए को पकड़ा गया तो उसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ेगा और हिरासत में लिया जाएगा। ऐसी संभावना को देखते हुए कई लोग पहले ही बांग्लादेश लौट गए हैं। कुछ इलाकों में कुछ अफरा-तफरी की स्थिति भी है।

अरबपति लक्ष्मी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेबर सरकार की पुनर्वितरण नीति (रीडिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी) से भरे राजनीतिक माहौल, जैसे "मेंशन टैक्स" की चर्चाएँ, और पहले "एग्ज़िट टैक्स" पर विचार, ने ऐसी अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसे इन्वैस्टर्स टैक्स के बोझ से भी ज्यादा खतरनाक मानते हैं। असल में, ब्रिटेन के इस बदलाव ने वैल्थ मैनेजमैंट में राजनीतिक जोखिम जोड़ दिया है, एक ऐसा जोखिम, जिससे लंदन हमेशा निवेशकों को सुरक्षित रखता था। इन नए नियमों के लागू होने के साथ, यूके अब एक उच्च-कर और उच्च-अनिश्चितता वाले देश जैसा दिखने लगा है, न कि एक स्थिर वैश्विक निवेश केन्द्र जो वह दशकों तक रहा है। मित्तल की प्रतिक्रिया इस नई सच्चाई को दिखाती है। वे अब स्विट्ज़रलैंड के टैक्स निवासी हैं, जो अपनी स्थिरता और स्पष्ट नियमों के लिए जाना जाता है। मित्तल अपना अधिकांश समय दुबई में बिताने की योजना बना रहे हैं, जहाँ वैश्विक संपत्ति पर कोई इनहेरिटेंस टैक्स नहीं लगता। दुबई के अल्ट्रा लग्ज़री नाया आइलैंड प्रोजेक्ट में उनकी नई बड़ी निवेश योजनाएँ दिखाती हैं कि यह कदम अस्थायी नहीं, बल्कि स्थाई है। यह ब्रिटिश कारोबारी इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत है और यूके में टैक्स सुधारों के बाद वैश्विक संपत्ति के प्रवाह में होने वाले बड़े बदलावों का प्रारंभिक संकेत भी है।

'धारीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कपिल सिब्बल ने धारीवाल की ओर से बहस करते हुए कहा कि मामले में मूल परिवादी रामशरण सिंह की मृत्यु हो चुकी है।

ऐसे में अशोक पाठक को इंटरवीनर के तौर पर क्यों सुना जा रहा है, जबकि उन्हें सुनवाई का कोई अधिकार ही प्राप्त नहीं है। इसके जवाब में पाठक की ओर से सीनियर एडवोकेट कुंवर सुलतान सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ही पूर्व में पाठक को इस मामले में इंटरवीनर बनाया है। वहीं, पाठक की एसएलपी पर ही सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले को वापस हाईकोर्ट को रिमांड करते हुए वापस सुनवाई कर छह माह में फैसला देने को कहा था। ऐसे में पाठक को मामले में इंटरवीनर के तौर पर पक्ष रखने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर धारीवाल को हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर आपत्ति बताने के लिए कहा।

अभी तक नीतीश सरकार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में तेज़ बढ़ोतरी हुई, जिनमें कई हाई-प्रोफ़ाइल हत्याएँ भी शामिल हैं। ये घटनाएँ हालिया विधानसभा चुनावों में विपक्षी महागठबंधन (एमजीबी) का बड़ा चुनावी मुद्दा भी बन गई थीं।

भगवा पार्टी का मानना है कि गृह विभाग उसके पास होने से प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत होगा और शासन बेहतर तरीके से चल सकेगा। लेकिन जेडीयू के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस फैसले को पार्टी के अन्दर नीतीश कुमार के अधिकार एवं शक्ति को कमजोर करने के लिए सोची-समझी कोशिश के रूप में देखा गया है।

एक वरिष्ठ जेडीयू नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने भाजपा को साफ बता दिया है कि "बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति" में पार्टी स्पीकर के पद पर कोई समझौता नहीं कर सकती। उनके अनुसार, स्पीकर का यह पद दलबदल रोकने और विधानसभा में स्थिरता बनाए रखने के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है।

जेडीयू नेता ने कहा, "हमारे लिए स्पीकर का पद पार्टी को सुरक्षित रखने के लिए अति आवश्यक है। हम फिलहाल अपने किसी भी विधायक के दलबदल का जोखिम नहीं उठा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा "कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं है।"

दूसरी तरफ, भाजपा का कहना है कि स्पीकर का पद, पारंपरिक रुप से, लगभग दो दशकों से, उसके पास रहा है, इसलिए अब इसे छोड़ने का कोई भी कारण उसकी समझ से बाहर है। इस पद को भाजपा के पास रहने से वह विधानसभा के भीतर संस्थागत प्रभाव बनाए रख सकेगी। इस बीच, विपक्ष ने सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। महागठबंधन के नेता और जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर बार-बार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और तीन अन्य मंत्रियों पर व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

उनके अनुसार, इन नेताओं ने फ़र्जी शैक्षिणक और जन्म संबंधी दस्तावेज़ बनाए हैं और राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करके बेहिसाब संपत्ति जुटाई है। विपक्षी दलों को आशंका है कि भाजपा-जेडीयू सरकार अब गृह विभाग की शक्तियों का उपयोग करके विरोधी आवाज़ों को निशाना बना सकती है और भ्रष्टाचार के आरोपों को दबा सकती है। बढ़ते तनाव और समाधान की कोई संभावना नज़र न आने के कारण, नई बनी एनडीए सरकार का सुचारु संचालन अब काफी अनिश्चित दिखाई दे रहा है।

समाप्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानना है कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है तथा आलाकमान को इस मामले में फैसला लेना चाहिए। ये विधायक आलाकमान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

न्यायमूर्ती सूर्यकांत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली

नयी दिल्ली, 24 नवंबर। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आज उच्चतम न्यायालय के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण कर लिया।

इससे पूर्व, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में एक गरिमामय समारोह में मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलायी।

उन्होंने हिंदी में शपथ ली और शपथ ग्रहण के बाद पूर्ववर्ती मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई से गले मिलकर उनका गर्मजोशी से अभिवादन किया। उनका कार्यकाल नौ फ़रवरी 2027 तक होगा। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत हुए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत का शपथ ग्रहण समारोह इस दृष्टि से ऐतिहासिक रहा कि इसमें छह देशों-भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश या वहां के सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। पहला अवसर है, जब देश के मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में इतना बड़ा विदेशी न्यायिक प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ।

शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह तथा कई अन्य प्रमुख केन्द्रीय मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अयोध्या में पवित्र राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा झंडा फहराएंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने और सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा। प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक मौके पर सभा को भी संबोधित करेंगे।

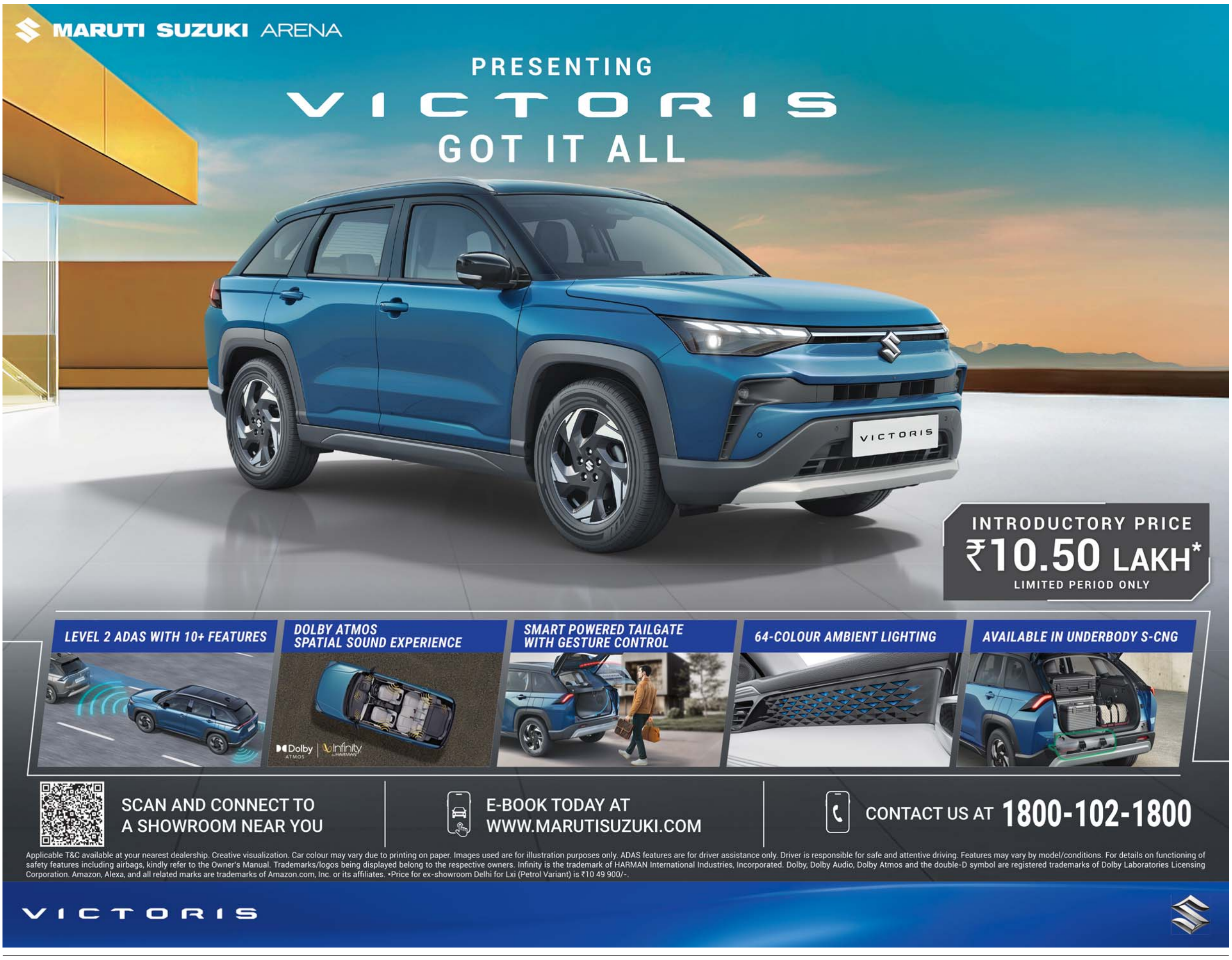

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600